04 - प्रदूषण से निपटने की राजनीतिक सीमाएं

05 - बच्चों के अधिकारों का हो सम्मान

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 20 नवंबर, 2024

06 - तापमान में उतार-चढ़ाव का लोगों की सेहत पर दिख रहा असर

07- औद्योगिक समृद्धि के आधार पर देश का नंबर वन राज्य...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-81 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

सुखबीर बादल के अकाली दल अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के मायने

चितलीन सेठी

अपनी पार्टी के भीतर से महीनों तक आलोचना झेलने के बाद, सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया, ताकि अपने उत्तराधिकारी के चुनाव का रास्ता साफ हो सके। पार्टी के महासचिव डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने एक्स पर एक पोस्ट में इसकी पुष्टि की। अकाली दल के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि बादल का इस्तीफा एक पूर्व-निवारक उपाय के रूप में आया है, ताकि जब भी अकाल तख्त की ओर से सजा की घोषणा की जाए, तो वे उसे 'विनम्रतापूर्वक' स्वीकार कर सकें। सूत्रों ने कहा, हालांकि, पार्टी के अधिकांश लोग बादल के साथ हैं, लेकिन यह महसूस किया गया कि इस समय अध्यक्ष पद से हटना बादल को हटाने की मांग करने वाले असंतोष की आवाज़ों को दबाने के लिए एक रणनीतिक कदम होगा। सूत्रों ने कहा कि एक बार जब बादल अकाल तख्त द्वारा दी गई अपनी सज़ा पूरी कर लेंगे, तो उन्हें फिर से पार्टी प्रमुख के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

30 अगस्त को बादल को सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त द्वारा 'तनखैया' (धार्मिक कदाचार का दोषी, पापी) घोषित किया गया था। पार्टी के भीतर असंतुष्टों के एक समूह की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अकाल तख्त ने बादल को ऐसे फैसले लेने का दोषी पाया, जिससे 'सिख समुदाय की छवि को भारी नुकसान पहुंचा, शिरोमणि अकाली दल की स्थिति खराब हुई और सिख हितों को नुकसान पहुंचा।'

अकाल तख्त ने कहा कि बादल ने ये फैसले पंजाब के उपमुख्यमंत्री और अकाली दल के प्रमुख के तौर पर लिए थे। बादल 2009 से 2017 तक उपमुख्यमंत्री रहे और 2008 से पार्टी के अध्यक्ष हैं। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुवीर सिंह ने बादल को तनखैया घोषित करते हुए उनसे कहा था कि वे 'गुरु ग्रंथ साहिब, पांच महापुरोहितों और सिख समुदाय की मौजूदगी में एक विनम्र सिख' की तरह अपने 'पापों का प्रायश्चित' करें, अन्यथा वे सिख धर्म के पापी बने रहेंगे। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए बादल ने कहा था कि उन्होंने फैसले को स्वीकार कर लिया है और वे अपना तनखा स्वीकार करने और अपने पापों का प्रायश्चित करने के लिए खुद को पेश करेंगे।

अब सभी की निगाहें अकाल तख्त के जत्थेदार पर टिकी हैं, जिन्हें आगे क्या होगा, इस बारे में अंतिम फैसला लेना है। ज्ञानी रघुवीर सिंह और सिखों के चार अन्य उच्च पुरोहितों (चार तख्तों या सत्ता के आसनों के प्रमुख) ने अभी तक बादल के लिए सज़ा की घोषणा नहीं की है। सूत्रों ने बताया कि सज़ा के तौर पर जत्थेदार बादल को कुछ समय के लिए पार्टी पर नियंत्रण हासिल करने से रोक सकते हैं। अकाली दल के अध्यक्ष, पदाधिकारियों और कार्यसमिति के लिए चुनाव 14 दिसंबर को होने हैं, जब मौजूदा नेतृत्व का पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

अकाल तख्त से बादल के लिए सज़ा की घोषणा करने की उम्मीद थी, ताकि वह अपने पापों का प्रायश्चित कर सकें और तनखैया का टैग हटवा सकें। हालांकि, दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अभी तक इसकी घोषणा नहीं की गई है। बुधवार को बादल अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए थे और सचिवालय को अपने मामले में तेजी लाने के लिए अनुरोध सौंपा था। अकाली दल और अकाल तख्त के बीच संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर हैं।

नवंबर में तख्त दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने अकाली नेता विरसा सिंह वल्टोहा द्वारा उन्हें दी गई धमकियों के बाद अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने आरोप लगाया था कि वल्टोहा ने उन्हें भाजपा और आरएसएस का 'एजेंट' कहा था और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

तख्त दमदमा के जत्थेदार का समर्थन ज्ञानी रघुवीर सिंह ने किया था, जिन्होंने कहा था कि उन्हें भी वल्टोहा ने धमकाया था।

अकाल तख्त के जत्थेदार ने अकाली दल को वल्टोहा को तुरंत पार्टी से हटाने का आदेश दिया था, जिसका पार्टी ने वल्टोहा की पार्टी की सदस्यता 10 साल के लिए रद्द करके पालन किया। हालांकि, वल्टोहा ने कहा कि ज्ञानी हरप्रीत सिंह लगातार भाजपा नेताओं के साथ मेलजोल बढ़ा रहे थे, जो सिखों के धार्मिक मामलों और संस्थाओं में हस्तक्षेप कर रहे थे।

तन्खैया घोषित होने की पूर्व संध्या पर, बादल ने वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भुंडर को पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार सौंप दिया था।

अकाल तख्त ने पिछले महीने बादल को उनके तन्खैया होने के कारण पंजाब में चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाले आगामी उपचुनावों में लड़ने से रोक दिया था। हालांकि इसने स्पष्ट किया कि पार्टी पर चुनावों में भाग लेने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन भुंडर के नेतृत्व में पार्टी ने उपचुनावों में उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया। बादल का इस्तीफा शिरोमणि अकाली दल नेतृत्व के भीतर गहराते संकट के मद्देनज़र आया है, जिसमें पार्टी के एक विद्रोही समूह ने मांग की है कि बादल अध्यक्ष पद से हट जाएं और 2017 के विधानसभा चुनावों के बाद से शिरोमणि अकाली दल के खराब होते चुनावी प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लें।

जुलाई में गुरप्रताप सिंह वडाला के नेतृत्व वाले समूह ने अकाली दल में सुधार के लिए 'शिरोमणि अकाली दल सुधार लहर' की शुरुआत की थी। इससे पहले, वडाला ने वरिष्ठ अकाली नेताओं बीबी जागीर कौर, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और सुखदेव सिंह ढींडसा के साथ मिलकर बादल के खिलाफ अकाल तख्त को लिखित शिकायत दी थी। बादल के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए वडाला ने शनिवार को कहा कि अगर बादल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इस्तीफा दे देते तो पार्टी को उस बदनामी से बचाया जा सकता था जो उसे तब से झेलनी पड़ रही है। वडाला ने यह भी कहा कि पार्टी में बड़े राजनीतिक बदलाव चल रहे हैं और 'शिरोमणि अकाली दल सुधार लहर' भविष्य की रणनीति पर चर्चा के लिए जल्द ही एक बैठक बुलाएगी। बादल ने 2008 में अकाली दल की बागडोर संभाली थी, जब उनके पिता प्रकाश सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री थे। सुखबीर बादल तब से दो बार सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष चुने जा चुके हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

गूंगा हूं,मगर चुप नहीं

लिखकर अपनी चुप्पियों को
शब्दों की सिलाई से बने
विचारों के लिबास पहनाता हूं
जिन्हे पढ़ते ही
उन लोगों के कान
खड़े हो जाते हैं ,जो नहीं जानते
चुप्पियों में छुपी आग
प्रतिक्रिया में वे बोलते कुछ नहीं
सोचता हूं ऐसे लोग
क्या जन्मजात गूंगे होते हैं ?
मैं गूंगा होकर भी
पहुंचाता रहता हूं
अपने विचार,
इन जन्मजात गूंगों तक
लगता है पत्थर के इस शहर में
हमारी ऐतिहासिक
श्रुति-संवाद की समृद्ध परंपरा से विमुख हैं...ये
जन्मजात गूंगे
जहां पीड़ित जनता की आवाज
सुनी जानी चाहिए
ये मौन हो जाते हैं।

- अरुण सातले

भगवान श्रीराम और पांडवों की जीत का आधार उनके जीवन मूल्य ही थे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● भारतीय जीवन मूल्यों के सामर्थ्य ने ही प्रधानमंत्री श्री मोदी को वर्तमान वैश्विक संघर्षों में शांतिदूत के रूप में स्थापित किया ● उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप और हमारे जीवन मूल्य विषय पर चर्चा और विचार-विमर्श सम-सामयिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने किया एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक के 17वें सम्मेलन का शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत का अतीत गौरवशाली रहा है और भारत प्राचीनकाल से ही वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा का मुख्य केन्द्र रहा। कई देशों के विद्यार्थियों, राजकुमारों ने तक्षशिला, नालंदा जैसे भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की। लेकिन ऐतिहासकि रूप से हमें ऐसा कोई उल्लेख प्राप्त नहीं होता, जिसमें भारत में शिक्षा ग्रहण किए किसी व्यक्ति अथवा सत्ताधीश ने अन्य राज्य पर आक्रमण किया हो। यह तथ्य प्राचीन काल से चली आ रही हमारी शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ जीवन मूल्यों और नैतिक मूल्यों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को होटल ताज में एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक के 17वें सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अतीत से वर्तमान की कई घटनाएं जीवन मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण की भिन्नता के कारण हुई- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप और हमारे जीवन मूल्य विषय पर आयोजित यह सम्मेलन सम-सामयिक महत्व का है। अतीत से लेकर वर्तमान तक की कई घटनाएं जीवन मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण की भिन्नता के परिणाम स्वरूप ही घटित हुई। रामायण काल में रावण हो या महाभारत काल में कौरव, योग्यता और क्षमता में कोई भी कम नहीं था, लेकिन उनके जीवन मूल्य और नैतिक मूल्य उचित नहीं थे, इसी कारण उन्हें कभी सम्मान नहीं मिला और वे समाज में तथा इतिहास में सदैव नकारे गए।

● नई शिक्षा नीति के माध्यम से लागू किए जा रहे हैं कई नवाचार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे आदर्शों और जीवन मूल्यों का ही परिणाम है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इन संघर्षों में भी शांति के लिए प्रयास करते दिखाई देते हैं। यह भारतीय जीवन मूल्यों के सामर्थ्य को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2020 से लागू नई शिक्षा नीति के माध्यम से पढ़ने और सीखने की प्रक्रिया को अधिक लचीला, सरल और रूचिपूर्ण बनाते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों के विषयों के अध्ययन की सुविधा प्रदान की गई है। अध्ययन प्रक्रिया को आयु के बंधन से मुक्त करते हुए क्रेडिट प्रदान करने जैसे नवाचार भी प्रदेश में किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक को मध्यप्रदेश में अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए आमंत्रित किया।

● वैश्विक स्तर की शिक्षा देश में ही उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध- जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी के चांसलर श्री हरिमोहन गुप्ता ने बताया कि 35 देशों में फैले एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक का सम्मेलन भारत में पहली बार हो रहा है। एसोसिएशन मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा और कौशल विकास पर केन्द्रित वैश्विक संस्थाओं की स्थापना कर विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देश में ही उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, शिक्षाविद श्री अनूप स्वरूप और विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि तथा विषय-विशेषज्ञ उपस्थित थे।

मां-बेटी और नातिन समेत चार की मौत

सीधी में डंपर की टक्कर से ऑटो के परखच्चे उड़े; तीन लोगों की हालत गंभीर

सीधी (नप्र)। सीधी जिले के नेशनल हाईवे-39 में ग्राम बढ़ौरा के पास मंगलवार दोपहर 3 बजे डंपर ने एक ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटी और नातिन समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को संजय गांधी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

घटना सीधी जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर बढ़ौरा की है। ऑटो रिक्शा सात लोगों को लेकर सीधी से चुरहट की ओर जा रहा था। वहीं, रीवा की ओर से तेज रफ्तार आ रहे डंपर ने ऑटो को टक्कर मार दी। ऑटो पलट गया और इसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन लोगों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया।

हादसे में इनकी हुई मौत

- प्रेमवती तिवारी (45), मां
- सीता तिवारी (25), बेटी
- बिट्टू तिवारी (1), नातिन
- भोले तिवारी (37)

ये लोग हादसे में घायल

- मोहित रावत (22)
- रजनीश तिवारी (46)
- डेढ़ साल का बच्चा

हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भागा

हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग निकला। लोगों को बताया कि हादसे के दौरान मौके पर काफी भीड़ जुट गई थी। इसी का फायदा उठाकर डंपर चालक मौके से फरार हो गया है। डंपर सड़क पर ही खड़ा रहा है। डंपर उत्तर प्रदेश रजिस्टर्ड है।

उज्जैन में बनेगी प्रदेश की पहली मेडिसिटी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी बनने जा रही है। राज्य सरकार चिकित्सा सेवा और चिकित्सा शिक्षा के लिए गंभीर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में चिकित्सा सेवा और आयुष के माध्यम से स्वास्थ्य और चिकित्सा को समग्रता में देखते हुए नई अवधारणा पर कार्य हो रहा है। इसके चलते उज्जैन में बनने वाली मेडिसिटी में न केवल मेडिकल कॉलेज रहेगा अपितु नर्सिंग, पैरामेडिकल, अनुसंधान सुविधा, चिकित्सक-विशेषज्ञ और स्टॉफ के आवास सहित संपूर्ण व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं इस कैंपस का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन में मीडिया से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले 20 साल में मध्यप्रदेश सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाएं हैं। वर्ष 2004-05 में प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे, वर्तमान में प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और 8 निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ अवधि में लगभग 15 करोड़ की आबादी उज्जैन में होगी। सामान्य समय में भी लगभग 5 से 7 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष उज्जैन पधार रहे हैं। अतः यहां मेडिसिटी का बनना उपयोगी और महत्वपूर्ण है। उज्जैन में आकार ले रही मेडिसिटी के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

ग्वालियर में घना कोहरा, 500 मीटर रही विजिबिलिटी

पचमढ़ी में 8, भोपाल में 14 डिग्री रहा टेम्प्रेचर; दतिया, भिंड, मुरैना, निवाड़ी में भी धुंध छाई

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मंगलवार सुबह ग्वालियर में घना कोहरा रहा। विजिबिलिटी यानी, दृश्यता 500 से 1 हजार मीटर तक दर्ज की गई। रात का पारा 3.9 डिग्री लुढ़ककर 12.3 डिग्री पर आ गया, जो सामान्य से नीचे रहा। इस बार नवंबर में पहली बार ग्वालियर में इतनी ठंड पड़ी। दतिया, भिंड, मुरैना, निवाड़ी में भी कोहरे का असर देखने को मिला।

इधर, भोपाल में सुबह सर्द हवाएं चलने से लोग ठिठुर गए। यहां हल्का कोहरा भी रहा। हालांकि, पारे में उछाल नहीं आया और यह 14 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 16.5 डिग्री, उज्जैन में 15.2 डिग्री और जबलपुर में तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार-मंगलवार की रात में पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 8 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार-सोमवार की रात की तुलना में पारे में हल्की गिरावट हुई।

यहां इतना रहा पारा- सोमवार-मंगलवार की रात बैतूल में 12.5 डिग्री, धार में 14.8 डिग्री, गुना में 13.6 डिग्री, नर्मदापुरम में 15.9 डिग्री, खंडवा में 13 डिग्री, खरगोन में 13.2 डिग्री, रायसेन में 14.8 डिग्री, राजगढ़ में 12.4 डिग्री, रतलाम में 15 डिग्री, छिंदवाड़ा में 12.2 डिग्री, खजुराहो में 14.2 डिग्री, मंडला में 10.4 डिग्री, नरसिंहपुर में 14.4 डिग्री, नौगांव में 12.1 डिग्री, रीवा में 13.5 डिग्री, सिवनी में 14.4 डिग्री, टीकमगढ़ में 14 डिग्री, उमरिया में 11.2 डिग्री और बालाघाट में तापमान 11.3 डिग्री दर्ज किया गया।

उत्तरी हवाएं चलने से बढ़ेगी ठिठुरन

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में बर्फबारी शुरू हो गई है। जेट स्ट्रीम हवाएं भी चल रही हैं। ऐसे में उत्तरी हवाएं मध्यप्रदेश में भी आएंगी, जिससे ठिठुरन बढ़ेगी। आने वाले दिनों में पारे में और भी गिरावट हो सकती है। अभी दिन का तापमान औसत 2 डिग्री लुढ़क गया है। वहीं, 15 से अधिक शहरों में रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे चल रहा है। प्रदेश में ठंड बढ़ने के साथ ही स्कूलों की टाइमिंग भी बदल गई है। भोपाल के कई स्कूलों का समय 30 मिनट आगे बढ़ाया गया है। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी टाइमिंग बदलेगी।

● भोपाल, जबलपुर-उज्जैन में सामान्य के नीचे पारा- प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में नवंबर महीने की रातें सबसे सर्द रही हैं। पिछली 4 रातों से यहां पारा 10 डिग्री सेल्सियस से कम ही है। सोमवार-मंगलवार की रात तापमान 8 डिग्री रहा। पचमढ़ी में एक सप्ताह में 3 बार पारा 10 डिग्री के नीचे रहा है। भोपाल के अलावा जबलपुर और उज्जैन में भी रात का पारा सामान्य से कम है। ग्वालियर और उज्जैन में पारा 15 डिग्री या इससे कम है।

● अब ग्वालियर-चंबल में भी ठंड बढ़ेगी- कोहरे के साथ ग्वालियर-चंबल संभाग में अब सर्द हवाओं का असर भी बढ़ेगा। अगले दो-तीन दिन में यहां रात के तापमान में गिरावट होने की संभावना है। वहीं, महीने के आखिरी में बारिश भी हो सकती है।

● नवंबर में इसलिए ऐसा मौसम- मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर जेटस्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। वहीं, दक्षिणी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। जेटस्ट्रीम हवाओं की रफ्तार तेज होने से प्रदेश में इसका असर दिखेगा। अभी हवाएं तो आ रही हैं लेकिन उनकी रफ्तार कम है।

● 10 साल से ऐसा ही मौसम- नवंबर में पिछले 10 साल जैसा ही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। दिन गर्म है और रातें ठंडी। ट्रेंड के मुताबिक, 15-16 नवंबर से पारे में ज्यादा गिरावट देखने को मिलती है। 20 से 25 नवंबर के बीच कई शहरों में रात का टेम्प्रेचर 10 डिग्री के नीचे पहुंच जाता है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 20 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अमेरिका में समुद्र तट पर मिली 'प्रलय की मछली'

● अमूमन ये भूकंप के आने से पहले बाहर आती है ● इसे प्राकृतिक आपदा की निशानी कहा जाता है

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में दुर्लभ ओरफिश को देखा गया है। बुरी खबरों और तबाही की अग्रदूत कही जाने वाली ये मछली एनसिनिटास समुद्र तट पर मिली है। ओरफिश की इस प्रजाति को तीन महीनों में यहां तीसरा बार देखा गया है। स्क्रिप्स के एक फेसबुक पोस्ट के अनुसार, 9 फुट की ओरफिश को 6 नवंबर को सैन डिएगो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशनोग्राफी के एलिसन लाफेरिएर द्वारा ग्रैंडव्यू बीच के तट पर पाया गया था।

इस साल तीसरी बार देखी गई, क्या किसी तबाही का संकेत?

मछली को लेकर कई तरह की कहानियां

एटलस ऑब्स्कुरा के अनुसार, जापानी पौराणिक कथाओं में गहरे समुद्र में ओरफिश की उपस्थिति को भूकंप और सुनामी के अग्रदूत के रूप में दर्शाया गया है। ओशन कंजरवेंसी के अनुसार, मार्च 2011 में जापान में अब तक के सबसे बड़े रिकॉर्ड किए गए भूकंप से ठीक पहले 2010 में जापान के समुद्र तट पर ओरफिश को देखा गया था। नेचुरल वर्ल्ड फैक्ट्स ने ओरफिश को प्रलय की मछली कहे जाने को कहानी कहकर खारिज किया है। फैक्ट्स का कहना है कि भूकंप से पहले होने वाली टेक्टोनिक हलचल प्रजातियों को मार देती है। इससे भूकंप आने से ठीक पहले वे समुद्र तटों पर आ जाते हैं। जियोसाइंस के अनुसार, 2019 के एक अध्ययन में जापान में ओरफिश देखे जाने और भूकंप की घटना के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया।

दुर्लभ है ओरफिश

ओरफिश एक दुर्लभ मछली है और अपने आकार की वजह से भी लोगों का ध्यान खींचती है। ये मछली अमूमन 12 फीट की होती है और कई बार 30 फीट तक बढ़ सकती है। ये बहुत आसानी से नहीं दिखती है। इसे कई वर्षों में एक बार देखा जाता है। इसकी वजह ये भी है कि ये मछली की यह प्रजाति गहरे समुद्र में रहती है। ये केवल तभी सतह पर आती है, जब रास्त भटक जाती हैं। किनारे पर आने के बाद इनकी मौत हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मामले में 3 घंटे चली सुनवाई

हाईकोर्ट में 28 नवंबर को फिर सुनवाई, नई बेंच ने दोनों पक्षों की बातें सुनीं

प्रयागराज (एजेंसी)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन घंटे तक सुनवाई चली। चूंकि यह अहम मामला अब हाईकोर्ट की नई बेंच को चला गया है ऐसे में मंगलवार की

सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों की बातें सुनीं। इस केस की सुनवाई के लिए जस्टिस न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र को नामित किया गया था। मंगलवार को उन्होंने सुनवाई की। अब इस मामले की सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

झांसी में नर्सिंग छात्रा किडनैप, 6 लाख फिरौती मांगी

पिता को हाथ-मुंह बंधा वीडियो-फोटो भेजा; बोले- पैसे नहीं मिले तो लाश घर भेजेंगे

झांसी (एजेंसी)। झांसी में नर्सिंग की एक छात्रा किडनैप हो गई। किडनैपर ने पिता को फोन कर 6 लाख रुपए की फिरौती मांगी है। उन्हें बेटी का वीडियो और फोटो भेजा है, जिसमें उसके हाथ-मुंह बंधे हैं। पैसों की डिमांड पूरी नहीं होने पर बेटी की लाश घर भेजने की धमकी दी गई है। घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही थी। मंगलवार को पीड़ित परिवार ने मीडिया को जानकारी दी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

मणिपुर में मारे गए कुकी उग्रवादियों के समर्थन में प्रदर्शन

सैकड़ों लोग खाली ताबूत लेकर सड़कों पर उतरे, कांग्रेस बोली- मोदी जी मणिपुर जाइए

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के लिए न्याय की मांग करते हुए कुकी समुदाय लगातार प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार

को भी चुराचांदपुर जिले में सैकड़ों लोगों ने खाली ताबूत लेकर मार्च निकाला। इस बीच कांग्रेस ने कहा है कि पीएम मोदी को अपनी जिद छोड़कर मणिपुर जाना चाहिए। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा- मणिपुर की समस्या से निजात पाने के लिए 5 हजार जवानों को भेजना हल नहीं है।

थाईलैंड-एअर इंडिया के 100 पैसेंजर 80 घंटे से अटके

दिल्ली जा रही फ्लाइट 3 बार टाली; एक बार उड़ान भरी, फिर फुकेत एयरपोर्ट लौटी

नईदिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड के फुकेत में 100 से ज्यादा भारतीय यात्री पिछले 80 घंटे से फंसे हुए हैं। ये पैसेंजर एअर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली लौट रहे थे, लेकिन टेक्निकल इश्यू की वजह से विमान उड़ान नहीं भर पा रहा।

बताया गया है कि दिल्ली जा रही फ्लाइट 3 बार टाली गई। एक बार उड़ान भी भरी, लेकिन ढाई घंटे बाद ही इसे फुकेत एयरपोर्ट पर लौटा लिया गया। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानियों को शेयर किया। उनके मुताबिक फ्लाइट 16 नवंबर की रात दिल्ली के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन तकनीकी खराबी का हवाला देकर 6 घंटे के लिए टाल दिया गया। घंटों इंतजार के बाद यात्रियों को बोर्डिंग के लिए कहा गया, लेकिन एक घंटे बाद ही फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया।

अगले दिन उन्हें बताया गया कि फ्लाइट अब ठीक कर दी गई है।

इंटरनेशनल फ्लाइट को जयपुर में छोड़कर चले गए पायलट

● ड्यूटी टाइम पूरा हो गया था, 180 पैसेंजर 9 घंटे तक परेशान होते रहे

जयपुर (एजेंसी)। पेरिस से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट को पायलट जयपुर में छोड़कर चले गए। पायलट का कहना था कि उनके ड्यूटी आवर्स पूरे हो गए हैं। फ्लाइट में सवार 180 से ज्यादा पैसेंजर 9 घंटे तक जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे। इसके बाद में उन्हें सड़क मार्ग से दिल्ली भेजा गया। पेरिस से दिल्ली आ रहे पैसेंजर अखिलेश खत्री ने बताया- एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2022 रविवार रात 10 बजे पेरिस से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। इसे सोमवार सुबह 10:35 बजे दिल्ली पहुंचना था। खराब मौसम की वजह से फ्लाइट दिल्ली लैंड नहीं कर पाई।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के निर्देश पर पायलट ने दोपहर 12.10 बजे फ्लाइट को जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड करवाया। पायलट एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से उड़ान के लिए क्लियरेंस मिलने का इंतजार करते रहे।

महाराष्ट्र में भाजपा महासचिव पर 5 करोड़ बांटने का आरोप

● ईसी ने विनोद तावड़े के पास से 9 लाख रुपए जब्त किए, एफआईआर कराई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 1 दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर वोटर्स को पैसे बांटने का आरोप लगा है। चुनाव आयोग ने तावड़े के पास से 9 लाख

रुपए और कागजात बरामद किए हैं। आयोग के अफसरों ने विनोद तावड़े और भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। हितेंद्र ठाकुर की बहुजन विकास अघाड़ी के विधायकों ने आरोप लगाया कि तावड़े मंगलवार को 5 करोड़ रुपए लेकर विरार इलाके की एक होटल पहुंचे। उनके साथ नालासोपारा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजन नाइक और दूसरे कार्यकर्ता भी थे। यहां उनकी मीटिंग चल रही थी।

सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट उड़ाने की धमकी

मथुरा ईदगाह केस में सुनवाई से पहले पाकिस्तान से मैसेज आया, कहा- सभी मंदिरों को उड़ाएंगे

मथुरा (एजेंसी)। प्रयागराज रेलवे स्टेशन, इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को सोमवार देर रात बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। श्रीकृष्ण

जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और जन्मभूमि-शाही ईदगाह केस में वाद दायर करने वाले आशुतोष पांडे के वॉट्सएप पर धमकी भरा वॉइस मैसेज आया। मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह केस में सुनवाई भी थी।

जी20 में पीएम मोदी बोले-

जंग से दुनिया में खाने का संकट

गरीब देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर, बाइडेन, मैक्रों, मेलोनी से मिले

रियो डि जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो में सोमवार को जी20 समिट के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड लीडर्स से द्विपक्षीय मुलाकातें की थी। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर, इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, पुर्तगाल के पीएम लुइस मोंटेनेग्रो, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और नॉर्वे के पीएम जोनास गेर स्टोर से द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की।

समिट के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मिले और उनके बीच अनौपचारिक बातचीत भी हुई। पीएम मोदी ने जी20 समिट के पहले दो सेशन- 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता' और 'सरकारों के कामकाज में सुधार' पर भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि अगले साल भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू की जाएगी।

विजय माल्या, नीरव मोदी लौटेंगे भारत! ब्रिटेन पर बना दबाव, पीएम मोदी ने कर दिया टाइट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से मुलाकात की है। यह मुलाकात जी20 सम्मेलन में हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन से विजय माल्या और नीरव मोदी को भारत लाने को कहा। विजय माल्या और नीरव मोदी का ब्रिटेन में 'हनीमून' खत्म होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन भगौड़ों को वापस लाने के लिए माहौल बना दिया है। जी20 समिट में पीएम मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से मुलाकात की। इस दौरान विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर भी बात हुई। ये दोनों करोड़ों भारतीयों को चूना लगाकर भागे हुए हैं।

सांची डेयरी के पास हादसा, युवक की मौत

भाई ने कहा- एम्बुलेंस में ऑक्सीजन होती तो शायद बच जाती जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल में होशंगाबाद रोड पर सांची डेयरी के पास एक बाइक सवार युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना सोमवार शाम 4.30 बजे की है। आशिमा मॉल के पास स्थित एक कॉल सेंटर से शोएब खान (28) घर लौट रहा था। इस दौरान उसकी बाइक हादसे का शिकार हो गई और वह पास खड़े एक ट्रक में घुस गया।

5 महीने पहले ही हुई थी शादी

शोएब को गंभीर अवस्था में एम्बुलेंस से जेपी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को गोविंदपुरा पुलिस ने युवक का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। शोएब की पांच महीने पहले ही शादी हुई थी।

20 मिनट बाद एम्बुलेंस आई

युवक के बड़े भाई समीर खान के कहा कि शोएब ने घटना के बाद उन्हें कॉल करके हादसे की जानकारी दी। वह सड़क पर तड़पता रहा। 20 मिनट बाद एम्बुलेंस आई। एम्बुलेंस में कोई पैरामेडिकल कर्मचारी मौजूद नहीं था और न ही ऑक्सीजन की व्यवस्था थी। जिससे मेरे भाई की एम्बुलेंस में ही मौत हो गई।

108 एम्बुलेंस के पास 2 कॉल आए थे- 108 एम्बुलेंस स्टाफ तरुण सिंह परिहार ने बताया कि हमारे पास दो कॉल आए थे। दोनों कॉल अलग-अलग नंबर से थे। पहला कॉल 108 एंबुलेंस को असाइन हुआ। कॉलर से संपर्क किया गया तो उन्होंने सेवा लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया-दूसरा कॉल रास्ते से गुजर रही जननी एक्सप्रेस के ड्राइवर ने किया। उन्होंने रोड एक्सीडेंट केस क्रिटिकल इमरजेंसी को देखते हुए 108 नंबर पर कॉल करके एंबुलेंस असाइन करवाया। मरीज को तुरंत सुरक्षित अस्पताल छोड़ दिया। जननी ड्राइवर की सूझबूझ से मरीज की जान बचाने में मदद मिली थी। गाड़ी में ऑक्सीजन और पैरामेडिकल स्टाफ दोनों मौजूद थे।

हादसे की वजह स्पष्ट नहीं- युवक के बड़े भाई समीर खान ने बताया कि शोएब खान (28) पिता नासिर खान आशिमा मॉल के पास कॉल सेंटर में काम करता था। मंगलवार शाम 4.30 बजे वो ऑफिस से अशोका गार्डन स्थित घर लौट रहा था। इस दौरान सांची डेयरी के बाद वो हादसे का शिकार हो गया। हादसा कैसे हुआ इसकी अभी जानकारी नहीं है। आसपास मौजूद सीसीटीवी कैमरों को खंगालने पर ही इसका पता लग पाएगा। समीर ने बताया उनके पिता की मृत्यु पहले ही हो गई है। अशोका गार्डन स्थित घर में मां के साथ रहते हैं। शोएब की पांच महीने पहले शादी हुई थी। छोटा होने की वजह से वो सबका लाड़ला था।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर वोटिंग आज

भाजपा 149, कांग्रेस 101 सीटों पर लड़ रही; 6 बड़ी पार्टियों समेत 158 दल मैदान में

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में टूट के बाद कुल 158 दल चुनाव मैदान में हैं। इनमें 6 बड़ी पार्टियां दो गठबंधनों का हिस्सा बनकर चुनाव लड़ रही हैं।

झारखंड विधानसभा की 38 सीटों पर आज वोटिंग

झारखंड विधानसभा चुनाव के आखिरी और सेकेंड फेज में आज 20 नवंबर को 12 जिलों की 38 सीटों पर वोटिंग होगी।

विधानसभा सत्र को लेकर नेता प्रतिपक्ष सिंघार बोले-

• विधायकों को बात रखने का मौका मिले, सत्र जल्दी खत्म करने की परंपरा गलत

भोपाल (नप्र)। मप्र के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा के शीत सत्र को पूरा चलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और सीएम डॉ मोहन यादव को ऐसी व्यवस्था करना चाहिए कि सत्र अपने पूरे समय तक चले। विधायकों को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय दिया जाए। जब विधायक सदन में अपनी बात रख सकेंगे, तभी विधानसभा सत्रों की सार्थकता भी साबित होगी। बता दें कि मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसम्बर से शुरू होने वाला है। मंगलवार को सिंघार ने एक्स पर किए गए ट्वीट के माध्यम से विधानसभा अध्यक्ष और सीएम मोहन यादव को इस मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया है। सिंघार ने लिखा- अध्यक्ष ऐसे इंतजाम करें कि सत्र अपना कार्यकाल पूरा करे। बीजेपी के 20 साल के राज में विधानसभा के ज्यादातर सत्र कई दिनों के बजाए घंटों में निपट गए। साल भर में बजट, मानसून और शीतकालीन सत्र मिलाकर कम से कम 60 दिन विधानसभा चलना चाहिए। लेकिन ये 15-20 दिन ही चल पा रहे हैं।

चोरी के आरोपी दो भाई गिरफ्तार

5 लाख के आभूषण पुलिस ने किए जब्त, रविवार रात एक घर में की थी वारदात

भोपाल (नप्र)। टीलाजमालपुरा थाना पुलिस ने मंगलवार को चोरी की एक बड़ी वारदात का भंडाफोड़ किया। यह चोरी रविवार रात कबीटपुरा की गली नंबर चार स्थित एक घर में हुई थी। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है, जो आपस में सगे भाई हैं। उनके पास से 5 लाख रुपए के आभूषण बरामद किए गए हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कबीटपुरा गली नंबर चार निवासी लता सिरमोरिया, पत्नी मनोज सिरमोरिया, ने सोमवार को टीलाजमालपुरा थाने में घर में चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि रविवार रात करीब 9 बजे वे और उनके पति रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए घर से निकले थे। उन्होंने घर के दरवाजे पर ताला लगाया था। जब वे सोमवार सुबह घर लौटे, तो देखा कि दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाकर देखा तो अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था और उसमें रखे 5 लाख रुपए के जेवर गायब थे।

दोनों आरोपी निगरानीशुदा बदमाश

महिला की शिकायत पर टीलाजमालपुरा थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की। टीम ने बागमुफ्ती साहब कबीटपुरा के रहने वाले दो भाइयों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अजहर (22) पिता अनवर अली और सरवर अली (24) पिता अनवर अली के रूप में हुई। टीलाजमालपुरा थाना प्रभारी सरिता वर्मन ने बताया कि दोनों आरोपी इलाके के निगरानीशुदा बदमाश हैं। चोरी के आभूषण बरामद कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विजयपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भोपाल में प्रदर्शन

• कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन, बोले- अंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने वालों पर कार्रवाई हो

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने मंगलवार को विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में हुई अनियमितता और वहां बीआर अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना के विरोध में भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीजेपी सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने एमपी नगर एसडीएम एलके खरे को ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि, 13 नवंबर को हुई वोटिंग के दौरान बीजेपी नेताओं, कार्यकर्ताओं और असामाजिक तत्वों ने अनुचित तरीके से मतदान को प्रभावित करने का काम किया है। इनके द्वारा हिंसक वारदातों को अंजाम दिया गया और रात में इस विधानसभा के गोहटा गांव में दलित बस्ती में तोड़फोड़ की गई। आगजनी करने के साथ यहां फसलों को नुकसान पहुंचाया गया और गांव में स्थापित बीआर अंबेडकर की प्रतिमा को खंडित किया गया। इस गांव में दहशत का ऐसा माहौल बनाया गया कि लोग थाने में शिकायत करने जाने तक में डर रहे थे। राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस के महामंत्री अवनीश भार्गव, भोपाल जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष अनोखी मान सिंह और अन्य नेताओं ने कहा कि, आदिवासी अंचल और जाटव समाज द्वारा बीजेपी के प्रत्याशी के पक्ष में खुलकर प्रचार नहीं किया गया।

राज्यपाल ने नाबार्ड द्वारा भोपाल हॉट में आयोजित उत्सव का किया शुभारंभ

ग्रामीण विकास उत्सव, उत्पादों और कारीगरों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच : राज्यपाल

विभिन्न राज्यों के स्टॉल्स का अवलोकन और कारीगरों से किया संवाद

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ग्रामीण विकास उत्सव, देश भर के कारीगरों और प्रसिद्ध उत्पादों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच है। ऐसे आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल नाबार्ड द्वारा भोपाल हॉट बाजार में आयोजित ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 19 से 27 नवम्बर तक आयोजित हो रहे ग्रामीण विकास उत्सव का फीता काटकर शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने विगत 6 वर्षों से देशभर के कारीगरों के प्रोत्साहन के लिए उत्सव का आयोजन करने पर नाबार्ड को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ऐसे आयोजनों का व्यापक और सघन स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। राज्यपाल श्री पटेल ने स्थानीय मीडिया से भी अपील की कि देश के कारीगरों के उत्पादों के प्रचार-प्रसार में भरपूर सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नाबार्ड, सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम, आजीविका एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम और गैर कृषि उत्पादक संगठन बनवाने जैसे विकास के महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। कृषि, कुटीर, ग्रामीण एवं लघु उद्योगों हस्तशिल्प के विकास परक कार्यों के द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और समृद्धि में प्रभावी योगदान दे रहा है। नाबार्ड द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं, हस्तशिल्पियों और कृषक उत्पादक संघों के सदस्यों के लिए कौशल विकास की कई योजनाएं भी चलाई जा रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारे देश की आत्मा गांवों में बसती है। जब आत्मा मजबूत होगी तभी पूरा शरीर यानि हमारा देश मजबूत, सक्षम और आत्म-निर्भर होगा। उन्होंने नाबार्ड के ग्रामीण युवाओं के कौशल उन्नयन के द्वारा सम्मानजनक आजीविका पाने के प्रयास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की दिशा में सार्थक कदम बताया। राज्यपाल श्री पटेल ने योजनाओं में प्रशिक्षित ग्रामीण किसानों, महिलाओं के समूहों और कृषक उत्पादक संघो के उत्पादों की बिक्री के लिए रूरल मार्ट, रूरल हाट और रूरल मार्ट ऑन व्हील्स जैसी पहल के लिए नाबार्ड की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन के दौर में ग्रामीण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्व-सहायता समूहों की भूमिका को विस्तारित किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारम्भ अवसर पर देश के प्रसिद्ध उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने अलग-अलग राज्यों के कारीगरों से संवाद करते हुए उनके उत्पादों के संबंध में जानकारी ली। राज्यपाल श्री पटेल ने कारीगरों का उत्साह वर्धन कर शुभकामनाएं और बधाई भी दी। राज्यपाल श्री पटेल का नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री कमर जावेद ने पुष्प-गुच्छ से स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किया।

विज्ञान मेले में एम.पी. ट्रांसको को मिला द्वितीय स्थान

चार दिनों में सवा तीन लाख से अधिक विजिटर्स ने किया अवलोकन

भोपाल (नप्र)। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार थीम पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान मेले 2024 में एम.पी. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के स्टॉल को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर ट्रांसको के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी है। महाकौशल विज्ञान परिषद द्वारा वेटरनरी कॉलेज जबलपुर में पहली बार आयोजित महाकौशल विज्ञान मेले में केन्द्र, राज्य, सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों सहित शैक्षणिक संस्थाओं के 111 स्टॉल प्रदर्शित किये गये थे। इसमें से एम.पी. ट्रांसको के स्टॉल को द्वितीय स्थान के लिये चयनित किया गया। चार दिवसीय इस विज्ञान मेले में एम.पी. ट्रांसको के स्टॉल में स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों से लेकर आम नागरिकों ने काफी दिलचस्पी दिखाई। कुल 3 लाख 25 हजार 949 आगंतुकों ने एम.पी. ट्रांसको के स्टॉल में विजिट कर जानकारी हॉसिल की। एम.पी. ट्रांसको को यह पुरूस्कार मध्यप्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क में विभिन्न नवाचार करने, ट्रांसमिशन एलीमेंटस एच. एम. आई तकनीक से नियंत्रित और ऊर्जीकृत करने के साथ ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करने के विभिन्न मॉडलों के प्रदर्शन और सरल भाषा में आगंतुकों को व्याख्या करने की उत्कृष्ट प्रस्तुति के आधार पर दिया गया है।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने दिये अधिकारियों को निर्देश

बिल्डर के बंधक भू-खण्ड की नीलामी से होगा पटेल नगर कॉलोनी का विकास

भोपाल (नप्र)। रायसेन रोड पटेल नगर में बिल्डर के बंधक भू-खण्ड को नगर निगम नीलाम करेगा। नीलामी से प्राप्त राशि से पटेल नगर कॉलोनी में पेयजल, सीवेज, सड़क, बिजली और पार्क आदि की व्यवस्था की जायेगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर के पटेल नगर के रहवासियों की मांग पर दिये निर्देशों के अनुक्रम में आयुक्त नगर निगम श्री हरेन्द्र नारायण ने उक्त बात कही। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने मंगलवार को निवास कार्यालय पर पटेल नगर

रोहित नगर के रहवासियों को मिलेगा नर्मदा जल

और रोहित नगर के रहवासियों की समास्याओं के निराकरण को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि पटेल नगर के रहवासियों को बिल्डर द्वारा मुलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। बार बार अवश्वासन देने के बाद भी बिल्डर कॉलोनी का अपेक्षित विकास नहीं कर रहा है। पटेल नगर की यह समस्या दशकों पुरानी है। उन्होंने कहा कि बिल्डर द्वारा विकास नहीं करने पर बिल्डर के बंधक भू-खण्ड को नगर निगम नीलामी से प्राप्त राशि विकास कार्य करने के प्रावधान है।

खनकते सितार में 'मियाँ की तोड़ी' की गंभीरता से सराबोर हुए बच्चे

जवाहर बाल भवन में स्पिकमैके द्वारा शाहिद परवेज़ का सितार वादन

भोपाल (नप्र)। शास्त्रीय संगीत में समय के अनुसार गायन-वादन का अपना महत्व है और कोशिश की जानी चाहिए कि जहाँ तक संभव हो सके उसका पालन हो। ये बात मशहूर सितार वादक उस्ताद शाहिद परवेज़ ने कही। वे जवाहर बाल भवन में स्पिकमैके द्वारा आयोजित आज के पहले लेक्चर-डेमोंस्ट्रेशन के तहत बच्चों से बात कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने दिन के दूसरे प्रहर के अनुकूल राग मियाँ की तोड़ी से कार्यक्रम की शुरुआत की। राग मियाँ की तोड़ी को मुग़ल बादशाह अकबर के नौ रत्नों में से एक मियाँ तानसेन ने बनाया जिन्हें संगीत सम्राट भी कहा जाता है। मियाँ की तोड़ी को तोड़ी, दरबारी तोड़ी भी कहा जाता है। उस्ताद शाहिद परवेज़ ख़ान ने पारंपरिक आलाप के बाद ख़ूबसूरत जोड़ और झाले से सजी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। हालाँकि मियाँ की तोड़ी गंभीर प्रकृति का राग है फिर भी नन्हें-किशोर दर्शक खनकते सितार और तबले के साथ जुगलबंदी में आनंदित होते रहे। तबले पर संगत उन्मेष बैनर्जी कर रहे थे। अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल और जवाहर बाल भवन के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित स्पिकमैके के इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों की जिज्ञासा था जिनका उस्ताद समाधान करते गये। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि सितार 13वीं शताब्दी में हज़रत अमीर ख़ुसरो ने बनाया था और तब उसने सिर्फ़ तीन तार होते थे जिसे सहतार कहा जाता था। धीरे-धीरे इसमें सुधार होता गया और साज़ लोकप्रिय हो गया। कार्यक्रम में अंकुर स्कूल और सेवन हिल्स स्कूल के 300 बच्चे, प्राचार्य, शिक्षक, बल भवन की निदेशक शुभ वर्मा, उप निदेशक अंजू श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक महिला बाल विकास सुरेश सिंह तोमर सहित अन्य सुधी दर्शक उपस्थित थे। आज का कार्यक्रम भारतीय शास्त्रीय संगीत की शाश्वत अपील और युवा मन-मस्तिष्क को संवेदित करने की इसकी क्षमता का ख़ूबसूरती से महत्वपूर्ण पड़ाव बन पड़ा।

दुकानदार से वसूली करते हुए नकली पुलिसवाला गिरफ्तार

• चोरी-छिपे पुलिस की गाड़ियों के साथ सेल्फी लेता, लोगों पर झाड़ता था रौब

भोपाल (नप्र)। भोपाल की एमपी नगर पुलिस ने एक फर्जी पुलिसकर्मी को सोमवार शाम कोर्ट चौराहे से गिरफ्तार किया है। आरोपी एक दुकान संचालक से पैसों की मांग कर रहा था। इसकी सूचना थाने में दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस लिखी एक बाइक और मोबाइल बरामद किया गया है।

यूपीआई पेमेंट के जरिए कई लोगों ने उसे पैसे भेजे, इसके स्क्रीनशॉट पुलिस को उसके मोबाइल में मिले हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह रकम उसे ठगी का शिकार लोगों ने दी है या अन्य तरीके से कमाई है। एसीपी अक्षय चौधरी ने बताया-आरोपी आनंद सेन (32) अशोका गार्डन में रहता है। उसके पास पुलिस की हर तरह की वर्दी है। रौब झाड़ने के लिए वह छिपकर पुलिस गाड़ियों के साथ सेल्फी

लिया करता था। इसके बाद यही फोटो सोशल मीडिया अकाउंट में अपलोड कर लेता था।

असल पुलिस के आगे झाड़ा रौब, फिर स्वीकारा- नकली हूं: एसपी के मुताबिक, पिछले कई दिन से एमपी नगर के अलग-अलग स्थानों से पुलिस की वर्दी में युवक द्वारा वसूली किए जाने की शिकायत मिल रही थी। दो दिन पहले उसकी फोटो भी मिल गई। तब से सर्च की जा रही थी। सोमवार को सूचना मिली की संदेही पुलिसकर्मी कोर्ट चौराहे पर एक दुकान संचालक से अवैध वसूली करने पहुंचा है।

मुख्य अतिथि, मंत्री कृष्णा गौर और विधायक रामेश्वर शर्मा ,महापौर मालती राय की उपस्थिति में

किसना डायमंड व गोल्ड ज्वेलरी ने भोपाल में अपना तीसरा एक्सक्लूसिव शोरूम लॉन्च किया

मध्य प्रदेश में 7वां और भारत में 55वां एक्सक्लूसिव शोरूम

भोपाल (नप्र)। सोमवार 18 अक्टूबर को किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ने भोपाल के अरेरा कॉलोनी, 10 नंबर मार्केट में अपने तीसरे एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। यह किसना का मध्य प्रदेश में 7वां और भारत में 55वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। इस कार्यक्रम में हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री घनश्याम ढोलकिया और किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के निदेशक श्री पराग शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे साथ ही ,मालती राय महापौर भोपाल, कृष्णा गौर राज्यमंत्री भोपाल, रामेश्वर शर्मा विधायक भोपाल मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहें ।

भव्य उद्घाटन के उपलक्ष्य में, किसना डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्जेज पर 100 प्रतिशत तक की छूट और गोल्ड ज्वेलरी पर 20 प्रतिशत तक की छूट की पेशकश कर रहा है। इसके साथ ही किसना के ष्अबकीङ्बारङ्आपकेङ्लिए 'शॉप एंड विन ए कार' अभियान के तहत ग्राहकों को 100 से अधिक कार जीतने का मौका मिलेगा। ग्राहक रू. 20,000 या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम या सोलिटेयर ज्वेलरी और 50,000 या उससे अधिक की गोल्ड ज्वेलरी खरीदकर इस अभियान में भाग ले सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, श्री घनश्याम ढोलकिया ने इस मौके पर कहा- भोपाल ने हमारे शानदार कलेक्शन्स को खूब सराहा है, और इस विस्तारित शोरूम के साथ शहर में अपने ग्राहकों के पास आना हमारे लिए गर्व की बात है। यह विस्तार हमारे विजन 'हर घर किसना' के अनुरूप है, जिसमें हम भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते ज्वेलरी ब्रांड बनने का लक्ष्य रखते हैं।

किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के निदेशक, श्री पराग शाह ने कहा- हम अपने 55वें शोरूम तक पहुंचने पर गर्व महसूस कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को बेहतरीन ज्वेलरी और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भोपाल में नया शोरूम किसना की भारत में बढ़ती उपस्थिति का प्रमाण है।

फ्रेंचाइजी पार्टनर, श्री सुमित अग्रवाल ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा- भोपाल में इस एक्सक्लूसिव शोरूम के माध्यम से, हम शहर के निवासियों को किसना की शानदार डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी कलेक्शन के साथ गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करेंगे।

किसना ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए इस लॉन्च इवेंट के तहत वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, और जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण का आयोजन भी किया।

संपादकीय

दिल्ली : सियासी प्रदूषण का क्या करें

देश की राजधानी दिल्ली में भारी प्रदूषण के कारण जहरीली होती हवा और सांस लेने तक में परेशानी के बावजूद सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियां प्रदूषण रोकने के ठोस उपाय करने की जगह एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप में वक्त जाया कर रही हैं। दिल्ली प्रदेश में सत्तारूढ़ आम आदमी की आतिशी सरकार दिल्ली में पोल्यूशन के लिए पड़ोसी बीजेपी शासित राज्यों व केन्द्र सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है तो बीजेपी आप सरकार को दोषी मान रही है। जबकि दिल्ली में प्रदूषण का पैमाना एक्यूआई कई इलाकों में 500 के पार जा चुका है। यह 2015 में एक्यूआई दर्ज किए जाने के बाद से दूसरा सबसे अधिक स्तर तक है। इसी संदर्भ में आप का कहना है कि प्रदूषण रोकने के लिए वो सब किया जा रहा है, जो जरूरी है। लेकिन इसमें केन्द्र सरकार का सहयोग नहीं मिल रहा है। इसी राजनीतिक दांव पेंच की ताजा कड़ी में मंत्री गोपाल राय ने राजधानी में कृत्रिम बारिश करवाने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखा है। राय ने कहा कि केंद्र सरकार को आपात बैठक बुलानी चाहिए। इसमें आईआईटी कानपुर के एक्सपर्ट व हर विभाग के अधिकारियों को बुलाया जाए। राय का तर्क है कि कृत्रि बारिश से प्रदूषण नियंत्रण पाया जा सकेगा। केन्द्र सरकार ने ने इसका अभी कोई उत्तर नहीं दिया है। दूसरी तरफ बीजेपी की दिल्ली इकाई ने मेट्रो स्टेशन के बाहर मास्क बांटे। वैसे भी सर्दियां आते ही दिल्ली किसी गैस चेम्बर में बदल जाती है। पिछले कई सालों से इसमे लगातार वृद्धि होती जा रही है। ऐसे में आम लोगों का सांस लेना भी दूभर होता जा रहा है। प्रदूषण की बढ़ती चिंताओं के बीच दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान - 4 (ग्रैप-4) लागू कर दिया गया है। कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने ग्रैप-4 (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) की गाइडलाइंस के तहत दिल्ली सरकार को स्कूलों को क्लास 6 से 9 और क्लास 11 के लिए भी पढ़ाई फिजिकल मोड पर कराने पर फैसला लेने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के घर से काम करने की सलाह दी गई है। शहर में गाड़ियों के लिए ऑड-ईवन सिस्टम भी लागू किया जा सकता है। हालांकि आतिशी सरकार के मंत्री गोपाल राय के बयान पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आतिशी झूठ परोसना बंद करें। पंजाब में सबसे ज्यादा पराली जली हैं। एक दिन पहले ही दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक की थी। राय ने दिल्ली स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य विभाग को आदेश दिया है कि वह एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करे, ताकि प्रदूषण संबंधित मरीजों को इलाज किया जा सके। इन तमाम बातों के बावजूद दिल्ली में प्रदूषण के हालात दिन पर दिन बिगड़ते जा रहे हैं। कहीं ऐसा न हो कि दिल्ली में प्रदूषित हवा के कारण सारा काम काज ही ठप हो जाए। दिक्कत यह है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी प्रदूषण के मामले में कोई साहसिक फैसला लेने से बचती है और जो सत्ता पक्ष कहता या करता है, उसका मुखरता से विरोध किया जाता है। यानी बिगड़ते पर्यावरण और हवा में घुलते जहर की वास्तविक चिंता किसी को नहीं है। प्रदूषण जैसे मानव अस्तित्व और धरती पर पर्यावरण को बचाने जैसे ज्वलंत मुद्दों को गंभीरता से लेने की जगह हमारे देश में राजनीतिक पार्टियां केवल एक दूसरे पर दोषारोपण और नाटक नौटंकी कर रही हैं। इस बार तो दिल्ली की हवा में जहर के साथ साथ आगामी विधानसभा चुनाव की आहट भी घुल गई है।

नजरिया

हर्षवर्धन पाण्डे

लेखक पत्रकार हैं।

प्रदूषण से निपटने की राजनीतिक सीमाएं

दिल्ली की आबोहवा में ताजे ऑक्सीजन के बजाय जहर घुलता जा रहा है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि मानसिक और सामाजिक जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हर साल ठंड के मौसम में दिल्ली का वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन जाता है। अक्टूबर से लेकर जनवरी तक, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से वाहनों से निकलने वाली गैसों, निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल, किसानों द्वारा जलाए गए पराली, और औद्योगिक कारखानों से निकलने वाले धुएं के कारण होता है। इस प्रदूषण के कारण वायुमंडल में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कणों की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है जो सांस लेने में मुश्किल पैदा करते हैं और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषण का सबसे गंभीर असर शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। हर साल लाखों लोग प्रदूषण से संबंधित बीमारियों, जैसे अस्थमा, फेफड़ों के रोग, हृदय रोग और कैंसर का शिकार होते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में प्रदूषण से संबंधित रोगों की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा, प्रदूषण का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जिससे तनाव, घबराहट, और सिरदर्द जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

भारत में शहरों में रहने वालों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं। वाहनों, फैक्टरी तथा कचरा जलाने से निकलने वाला धुआँ शहरों में पीएम 2.5 का मुख्य स्रोत होता हैं। आज विश्व के 20 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में भारत के 10 से अधिक शहर आते हैं। देश के ज़्यादातर शहरों में पीएम 2.5 का स्तर सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानकों से कहीं अधिक है। पीएम 2.5 हमारी आसपास की हवा में घुला एक ऐसा अदृश्य जहर हैं, जो प्रतिवर्ष विश्व के लगभग 80 लाख लोगों की मौत का कारण बनता हैं। हिंदुस्तान में हर वर्ष लगभग 80 हजार लोग सिर्फ पीएम 2.5 से होने वाली बीमारियों के कारण मारे जाते हैं। देश मे सबसे ज्यादा मौते सांस और हाई ब्लड प्रेशर के कारण होती हैं। घर के अंदर खाना पकाने के लिए लकड़ियों, गोबर के उपलें। केरोसिन से निकलने वाले धुंए से उत्पन्न पीएम 2.5 मौत दूसरा सबसे बड़ा कारण हैं। सिगरेट पीना और खाने मे पोषक तत्वों की कमी देश मे होने वाली मौतों का तीसरा व चौथा सबसे बढ़ा कारण हैं।

पाँचवा बढ़ा कारण बाहर की हवा में उपस्थित पीएम 2.5 हैं जो गाड़ियों, फैक्टरी और कचरा जलाने से निकलने वाले धुंए से आता हैं।

दशकों से यह बात देखने में आ रही है कि दिल्ली की आबोहवा की फ़िक्र सरकारों और नीति नियंताओं को नहीं है। प्रदूषण को लेकर आज एक जनांदोलन की ज़रूरत है जिसकी शुरुआत आम आदमी से होनी चाहिए। दिल्ली में डीजल से चलने वाले वाहनों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। सार्वजनिक परिवहन यहाँ पर दूर की गोटी है। साल दर साल वाहनों की संख्या यहाँ पर बढ़ती जा रही है। एक ख़ास बात यह है आज के समय में कारें हमारे देश में स्टेटस सिंबल की तरह हो गई हैं। एक परिवार में अगर 5 सदस्य हैं तो सबके अपने अपने वाहन हैं जिससे वो आते जाते हैं । निजी वाहनों की संख्या यहाँ 1.5 करोड से भी ज्यादा हो चली है जो दिल्ली की साँसों में जहर घोल रही है। कई साल पुराने डीजल से चलने वाले वाहन दिल्ली की फिजा में फर्राटा भर रहे हैं जो सबसे अधिक प्रदूषण का कहर बरपा रहे हैं। चाइना और जापान जैसे देशों में पीएम 2.5 अगर सामान्य स्तर को पार कर जाता है तो वहां की सरकारें जनता के स्वास्थ्य के प्रति संजीदा हो जाती हैं और कड़े फैसले लेती हैं। चीन में कार्बन उत्सर्जन का मुख्य कारक कोयला रहा इसलिए उसने कोयले के इस्तेमाल में कटौती करने का लक्ष्य रखा और उसने बीते एक साल में ही यह निर्भरता काफी कम कर दी है। चीन में अब ऊर्जा की जरूरतों को बिजली और गैर-जीवाश्म ईंधनों से पूरा करने की कोशिश की जा रही है। चीन में हैवी इंडस्ट्री को बंद किया जा रहा है जो कोयले पर आधारित हैं साथ ही चीन कोयला मुक्त होने की राह पर खड़ा है। चीनी सरकार ने जब यह देखा कि बीजिंग और उसके बाकी बड़े शहरों का दम घुटने लगा है तो उसने ऑनलाइन एयर रिपोर्टिंग की व्यवस्था शुरू की। चीन में अब 1500 साइट्स से पल्यूशन के रियल टाइम आंकड़े हर घंटे जारी किए जाते हैं। 2015 में चीन में पर्यावरण प्रोटेक्शन कानून सख्ती से लागू हैं। चीन में ये कानून अब इतना कड़ा है कि प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों पर जुर्माने करने की कोई सीमा नहीं रखी गई है। कई बड़ी कंपनियों पर जुर्माना भी लगाया गया है। गैर-लाभकारी संगठन प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ जनहित मुकद्दमे दायर कर सकते हैं। स्थानीय सरकारों पर भी इन कानूनों को सख्ती से लागू कराने का दायित्व है।

यूरोप में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिये मुफ्त सेवाएँ मुहैया कराई जा रही हैं। भारत को भी इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हैरत की बात यह है कि प्रदूषण को लेकर सरकारों को कोर्ट ने बीते कई बरसों से आगाह किया है लेकिन इसके बाद भी उनसे हालात नहीं सँभलते। वायु प्रदूषण से जुड़ी विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अधिक 20 प्रदूषित शहरों में 13 शहर भारत के है जिनमे दिल्ली के साथ इलाहाबाद, पटना ,कानपुर सरीखे शहर भी शामिल है जहाँ हाल के बरसों में चमचमाती अट्टालिकाओं को विकास का अत्याधुनिक पैमाना मान लिया गया है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 30 करोड़ बच्चे यानि 7 में एक बच्चा सांस लेने की बीमारी से ग्रस्त है। अब तक पांच साल से कम उम्र के तकरीबन 63 करोड़ बच्चो की मौत वायु प्रदूषण से हो चुकी है जिनमें से अधिकतर मामले उत्तर भारतीयों से जुड़े पाए गये हैं। राजधानी दिल्ली में हुआ एक सर्वे बताता है कि दिल्ली में हर तीसरे व्यक्ति का फेफड़ा खराब हो चुका है। चिंता की बात है कि भारत में वायु प्रदूषण आज मौत का बड़ा कारण भी बन गया है।

दरअसल हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं और हमने अभी भी नहीं चेते तो हमारा भविष्य भयावह होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी किये गए आकड़ों के मुताबिक प्रदूषण के कारण भारत में 1.4 मिलियन लोगों की असामयिक मृत्यु हो रही है। यानी हर 23 सेकंड में वायु प्रदूषण के कारण एक जान चली जाती है। जिस ईंधन का प्रयोग आज हम करते हैं, वह भी वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। फ़िलहाल प्राकृतिक गैस जैसे स्वच्छ ईंधन प्रदूषण कम करने का एकमात्र विकल्प है। जिन ईंधनों का प्रयोग आज हम करते हैं वह वातावरण में भारी मात्रा में कार्बन डाइआक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड का उत्सर्जन करते हैं जो हवा को बुरी तरह से प्रदूषित करते हैं। हम ईंधनों के प्रयोग को बंद नहीं कर सकते क्योंकि उद्योगों का एक बड़ा हिस्सा इन पर ही चल रहा है लेकिन हम निश्चित तौर पर उनके प्रयोग को बदलकर हम जीवाश्म ईंधन की दिशा मजबूती के साथ बढ़ सकते हैं जो काफी सस्ता है और फेफड़ों के लिए भी नुकसानदेह नहीं हैं। यदि प्रदूषण को यहीं पर नहीं रोका गया तो राजधानी दिल्ली की तरह कई शहरों का हाल बुरा होगा। अमेरिकी सेटेलाइट द्वारा हाल में जारी तस्वीरें भी अब सोशल मीडिया पर दिल्ली में प्रदूषण की पोल खोल रही है।

अकेले कोई सरकार प्रदूषण पर काबू नहीं पा सकती। इसके लिये सरकार के साथ-साथ लोगों को भी सामने आगे आना होगा। पर्यावरण को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते क्योंकि मानव जीवन की बुनियाद पर्यावरण पर ही टिकी है। अगर प्रकृति की अनदेखी होती रही तो मानव सभ्यता का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। मौजूदा दौर में दिल्ली में प्रदूषण की समस्या गहरी है और इसके स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक और समग्र प्रयासों की आवश्यकता जरूरी है।

एआई तकनीक

प्रो. डॉ. वत्सला

शिक्षाविद् और लेखक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मौलिक साहित्य सर्जन कैसे संभव !

एआई जो सूचनाएं एकत्रित करता है, उस आधार पर साहित्य सृजन करता है। वह विशेष शब्दों (की-वर्डस) को लेकर उन पर आधारित तथ्यों को विवेकपूर्ण ढंग से प्रस्तुत अवश्य कर सकता है। लेकिन, वह मौलिक और अर्थपूर्ण साहित्य या कविता की रचना नहीं कर सकता। साहित्य बनावटी नहीं होता, वह केवल बुद्धि के द्वारा भी नहीं रचा जा सकता। साहित्य, भावनाओं व संवेदनाओं का जब उद्रेक होता है, तब साहित्य सृजित होता है। एआई एक तकनीक है, जो कंप्यूटर निहित मशीन है।

आधुनिक युग में मानव का जीवन नई-नई तकनीकों पर विशेष कर कंप्यूटर पर आश्रित हो गया है। कंप्यूटर और मोबाइल के बिना जीवन असंभव सा प्रतीत होने लगता हैं। हमें अपने दैनिक जीवन में अब हर कदम पर कंप्यूटर की आवश्यकता होती है। इसलिए कंप्यूटर को बुद्धिमान होना ज्यादा जरूरी हो गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटर का सिद्धांत और विकास है, जो मानव बुद्धि और इंद्रियों का अनुकरण व अनुसरण करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीनों के पास विद्यमान वह बुद्धिमता है जिसके द्वारा वे मानवीय सहायता से कई प्रकार के कार्य कर सकती हैं।

इसके सहयोग से मशीनें सीख सकेंगी, समस्याओं को सुलझा सकेंगी, कार्यों की योजना बनाकर सोच भी सकेंगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तकनीक की दुनिया में एक क्रांति आएगी ऐसी संभावना की जा रही है। इस तकनीक से युगांतकारी परिवर्तन होगा। जब भी कोई नया आविष्कार या नई तकनीक अन्वेषण के उपरांत प्रयोग में आती हैं तब उसके विषय में नाना प्रकार की अटकलें लगाई जाती हैं। यह तकनीकी संक्रमण काल में विद्यमान है जहां पुरातन को त्यागना और नवीन को ग्रहण करना मध्य पीढ़ी के लिए सुखद नहीं होगा। वर्तमान पीढ़ी के लिए यह ग्रहणीय और कारगर होगा। समाज में सदियों से परिवर्तन हो रहे हैं यह तकनीक भी समाज में परिवर्तन लाएगी और लोग उसे अपनाएंगे। तकनीकी का क्षेत्र चाहे जितना भी विस्तार को प्राप्त हो जाए। लेकिन, मानव बुद्धि की तुलना मशीन से नहीं की जा सकती हैं। हिंदी में कहावत है 'सीखल बुद्धि अढ़ाई घड़ी' हमारी दादी, नानियों की कहावतें कहती थीं। इस कहावत का अर्थ है सिखाई बुद्धि घंटे भर की। एआई एक तकनीक क्षेत्र है जिसमें कंप्यूटरों को मानव के बुद्धि जैसी क्षमता प्रदान की जाती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का शब्दशः अर्थ हुआ बनावटी बुद्धि या सिखाई बुद्धि अर्थात कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर में जितना सीखने की जानकारी डालेंगे, वह उतना ही मानव को प्रदान करेगा। वह मानव बुद्धि की तुलना नहीं कर सकता है।

मानव अपनी बुद्धि से मौलिक चिंतन, नवीन कल्पनाओं नवीन योजनाओं को सोच सकता है और उसे भले ही नई तकनीक के माध्यम से क्रियान्वित करें। लेकिन, एआई को सब कुछ सिखाना होगा, कंप्यूटर में डालना होगा ।

एआई विभिन्न माध्यमों से जो सूचनाएं एकत्रित करता है, उस डाटाबेस के आधार पर सृजन करता है। वह विशेष शब्दों (की-वर्डस) को लेकर उन पर आधारित तथ्यों को विवेकपूर्ण ढंग से प्रस्तुत अवश्य कर सकता है। लेकिन, वह मौलिक और अर्थपूर्ण साहित्य या कविता की रचना नहीं कर सकता। साहित्य बनावटी नहीं होता, वह केवल बुद्धि के द्वारा भी नहीं रचा जा सकता। साहित्य, भावनाओं व संवेदनाओं का जब उद्रेक होता है, तब साहित्य सृजित होता है भावों की सरिता प्रवाहित होती है। तब काव्य रूपी भागीरथी का निर्माण होता

है, जो सहृदय के हृदय को आवर्जित करता है। एआई एक तकनीक है। कंप्यूटर में निहित मशीन है।

अगर मनुष्य ऐसी कल्पना व चिंतन करते हैं कि एआई की-वर्डस पर हाथ चलाते ही वह कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि साहित्य की रचना कर देगा, तो ऐसा सोचना मूर्खतापूर्ण हैं। कहते हैं कि दूर के ढोल सुहावने लगते हैं यही कथन एआई पर चरितार्थ होता है। आज हर क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ता जा रहा है, इसलिए ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि एआई साहित्य सृजन के क्षेत्र में भी अपने पग को पसारेगा और उसके द्वारा एआई साहित्य का प्रचार बढ़ेगा। लेकिन, क्या वास्तव में ऐसा हो सकता है? क्या भविष्य में एआई रचित साहित्य मानव रचित साहित्य के समान स्तरीय होगा? इस सवाल पर मेटा एआई को कुछ आशा है, लेकिन संशय भी है। वह कहता है कि भविष्य में शायद ऐसा संभव हो जाए। लेकिन, मेटा कहता है एआई की रचनात्मकता की सीमाएं अभी शोध का विषय हैं।

मेटा एआई से मैंने पूछा चाँद पर कविता लिखो। तो एआई ने लिखा चंदा की चंचल चौ में, रोशनी की नई कहानी है, उसके बादलों के पर्दे में एक सुहानी जगमोहिनी है। चंद्रमा की चांदनी में, रात की रानी खिलती है, उसकी किरणों से जगमग, जग की सारी झिलमिली हिलती है। मेटा एआई ने इस कविता को अंग्रेजी में भी तुरंत अनूदित कर दिया। पर शिल्प विधान की दृष्टि से यह कविता नहीं है। न इसमें शब्दों का प्रयोग व चयन भी उचित नहीं है। ए आई उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर कुछ रच तो सकता है। किंतु, वह नया और मौलिक नहीं रच सकता है। मेटा एआई की तकनीक से अनुवाद कार्य बेहतर होगा। हम देखते हैं कि जैसा पहले अनुवाद होता था, वैसा आज नहीं होता है और जैसा आज हो रहा है वैसा आने वाले सालों में नहीं होगा। यह संभव हो सकता है कि आने वाले वर्षों में हम एआई की ऐसी तकनीक का इजाद कर ले जो मानवीय अनुवाद की ही श्रेणी का होगा।

अनुवाद का यह कर मोबाइल और कंप्यूटर के द्वारा नहीं बल्कि अन्य किस्म के दर्जनों डिजिटल उपकरणों के द्वारा होने लगेगा। डिजिटल उपकरणों के माध्यम से हर भाषा के साहित्य को हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनूदित करने में सक्षम हो जाएंगे। इस तकनीक से भाषाई चुनौतियां कम होगी लेकिन ए आई मानव के भीतर अन्तर्निहित मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं को अच्छी तरह प्रकट नहीं कर सकता हैं। जो साहित्य का अभिन्न अंग है। एआई की तकनीक और साहित्यकार की भावनाओं से कुछ सृजन तो हो सकता है, लेकिन वह सृजन उत्तम होगा ऐसा नहीं कहा जा सकता। एआई सूचनाओं का स्रोत हैं। उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं हैं। साहित्य प्रणयन के लिए विचार, मनोभाव, कल्पना की उड़ान, शब्दों का चयन, अर्थ गाम्भीर्य, पदों की सरस शय्या, मात्रात्मक एवं व्याकरणात्मक शुद्धता आवश्यक हैं।

एआई में साहित्य का आत्म तत्व नहीं है, फिर वह साहित्य का सर्जन कैसे कर सकता है? वैसे कुछ लोग अलेक्सा और मेटा नाम के आभासी सहायकों से कविता, कहानी लिखवाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन, क्या इस लेखन में साहित्य हैं? यह विचारणीय प्रश्न है। क्या एआई साहित्य जगत को उत्कृष्ट साहित्य व साहित्यकार को दे सकता हैं? कंप्यूटर या आने वाली नई तकनीक को मानव जैसी बुद्धिमत्ता और सोच की क्षमता प्रदान कर क्या वास्तव में हम प्रसाद, प्रेमचंद, पंत, निराला जैसे साहित्यकार मिल सकते हैं? एआई तकनीक मानव बुद्धि के सोचने की क्षमता को कुठित न कर दें। इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। एआई हमारी भाषा को समझने में सक्षम है और उसे संवाद लिखकर और बोलकर किया जा सकता है। चैट जीपीटी का प्रयोग करके हम प्रश्न के तात्कालिक उत्तर को प्राप्त कर सकते हैं। कोई भी साहित्यकार अपने गीतों और कविताओं की एआई संचालित गाना निर्माण सेवा के साथ जीवंत कर सकता हैं। एआई की सहायता से हम अपने आध्यात्मिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक, विरासत को दुनिया भर में गैर हिंदी पाठकों तक पहुंचा सकते हैं तथा संपूर्ण विश्व का ज्ञान भी हिंदी भाषी लोगों तक पहुंच सकते हैं। हिंदी भाषा में विज्ञान, चिकित्सा, तकनीकी, अर्थव्यवस्था आदि विषयों पर विश्व स्तरीय सामग्री की कमी हैं, हम स्वयं ऐसी सामग्री तैयार करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद ले सकते हैं। वही हम मशीन अनुवाद के माध्यम से वैश्विक ज्ञान को अपनी भाषा में प्राप्त कर सकते हैं। इसका एक लाभ होगा कि हिंदी भाषी लोग वैश्विक संस्थानों में पढ़ सकेंगे। भाषाओं की सीमा से मुक्त रहते हुए कौशल प्राप्त कर सकेंगे। हिंदी बोलने वाला व्यक्ति अन्य भाषाओं के लोगों को कंटेंट और सेवाएं उपलब्ध कराएगा बिना उन भाषाओं के जानकारी रखें।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रही है और ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले एक दो दशक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग के परिणाम स्वरूप लोक का परिदृश्य परिवर्तित हो जाएगा। हिंदी सहित हमारी सभी भाषाएं भी इस परिवर्तन से परे रहने वाली नहीं है। भाषाओं को इस परिवर्तन से अप्रभावित नहीं रहना चाहिए। जो भाषाएं बदलते प्रतिमान के साथ सामंजस्य नहीं बैठ पायेगी उनके अस्तित्व पर संकट के बादल छा जाएंगे और वह प्रगति के युग में पीछे रह जाएंगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा होने वाले विकास के नए सोपान के साथ हिंदी भाषा को जहां तक संभव हो कदम मिलाकर चलने में ही लाभ है। इससे हमारी भाषा का प्रसार अनुवाद के द्वारा वैश्विक स्तर पर हो जाएगा।

कटाक्ष

एक पुलिस अधिकारी के कविता संग्रह की समीक्षा

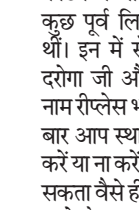

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सभी कवि पुलिस अधिकारी नहीं होते उसी तरह सभी पुलिस अधिकारी कवि भी नहीं होते। इसी तर्क का एक पूरक यह भी है कि सभी अच्छे कवि नहीं होते और सभी खराब कवि भी नहीं होते। अब पूछ सकते हैं कि पुलिस अधिकारी ही क्यों? दूसरा कोई अधिकारी मसलन आबकारी अधिकारी, एस डी एम, कलेक्टर वगैरह क्यों नहीं? होने को तो ये भी हो सकते थे पर यही इसलिए कि जो कविता संग्रह हाथ लगा है वह एक पुलिस अधिकारी का लिखा है। और उन्होंने बड़े आग्रह के साथ यह संग्रह इस समीक्षक को समीक्षा के लिए दिया है। दिया इसलिए कि उस दिन अचानक समीक्षक जी को एक प्रकरण के सिलसिले में थाने जाना पड़ा। वहां बैठे दरोगा जी से इन्होंने ही अपना परिचय, समीक्षक और आलोचक के रूप में कराया। ताकि इनकी बात को यह दरोगा गंभीरता से ले। इन्होंने तो और भी बहुत कुछ और भी बताया था मसलन कि उनकी लिखी समीक्षाएं बड़ी बड़ी पत्रिकाओं में छपती रहती है। यदि वे पुलिस के दरोगा हैं तो ये साहित्य के दरोगा हैं। उनकी लिखी समीक्षाओं से कई साहित्यिकों को साहित्यकार होने का तमगा हासिल हुआ है। इधर दरोगाजी की आँखों में चमक हैं क्योंकि वे जानने लगे हैं कि इस समीक्षक की लिखी समीक्षा उनके संग्रह के साथ उन्हें भी साहित्य में किसी ठीये पर ले जाकर बिठा देगी। वैसे वे चाहते तो किसी को भी डंडा फटका कर बाजू कर सकते थे। और उसकी जगह पर खुद बैठ सकते थे। यह उनकी सदाशयता ही मानी जानी चाहिए कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया वरन् साहित्य के एक ऐसे आलोचक को पकड़ लिया जो न केवल किसी को पदस्थापित कर सकता था बल्कि पदच्युत करके अपने वाले को बिठा सकता था। उन्होंने चाय मंगवाई, अपना परिचय दिया, वैसे पुलिस थाने में पहुँचते ही दरोगा जी का जो परिचय समीक्षक जी को जो मिला था वह किसी भी तरह उनके पद की गरिमा (?) के अनुकूल था। पर कवि के रूप में उनका परिचय तब हुआ जब उन्होंने अपनी मेज की दराज से एक कविता संग्रह समीक्षक जी को सादर समीक्षार्थ लिखकर अपने आटोग्राफ और पदमुद्रा लगाकर भेंट किया। वैसे समीक्षक वगैरे लोग साहित्य के मैदान में एक पुलिस वाले की भूमिका ही तो निभाते हैं। तो दरोगा जी ने अपनी कुर्सी से उठकर और आगे की ओर झुककर किताब देते हुए विनम्रता से कहा - इस पुस्तक पर अच्छी सी समीक्षा जरूर लिखियेगा। समीक्षक ने थोड़ी भी ना नुकुर न करते हुवे वह किताब हस्तगत की और आश्वासन दिया। समीक्षक के लिए यह काम कठिन न था। क्योंकि उनके पास कुछ पूर्व लिखित समीक्षाएँ तैयार थीं। इन में से एक चुनकर उसमें दरोगा जी और उनकी किताब का नाम रीप्लेस भर करना था। जब एक बार आप स्थाई हो जाते हो तो काम करें या ना करें आपको हटा कोई नहीं सकता वैसे ही एक स्थाई पहचान हो जाने के बाद समीक्षक जी को भी उनकी विधा से बाहर करना कठिन था। अब तो दरोगा जी की किताब का सवाल था तो किताब न पढ़ते हुए भी समीक्षा लिखना ही था। वैसे भी किताबें पढ़ने की जहमत उठाता कौन है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

महिलाओं की किटी पार्टी में पुरुषों को लेकर किट-किट

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनने की खबर लगने पर कॉलोनी की महिलाओं की किटी पार्टी में मुए वर्चस्व वाले पुरुषों पर पहले तो कुछ महिलाओं में अपनी व्यथा कथा ,कुछ ने पति-पत्नी के अहम रिश्ते के अहं को चूर चूर करने के लिए पानी पी पीकर खूब कोसा। और पूरी किटी पार्टी पुरुषों पर किट-किट करती समाप्त हो गई ।

किटी पार्टी में मेंस डे यानी पुरुष दिवस को कॉलोनी की जगत बुआ ने पुरुषवादी सोच पर प्रहार करते हुए कहा कि हमारे मनने वाले महिला दिवस की तर्ज पर पुरुष दिवस मनाकर पुरुषों के नारी विरोधी स्वर को हवा देने का अवसर मिल गया है। वैसे भी पुरातन काल से समाज पुरुष प्रधान बना हुआ है। और उनकी प्रधानता को खिसकते हुए देखकर वे ऊपर नीचे होते है, हमारी थोड़ी बहुत नौकरियां,समाज की गतिविधियों में, व्यवसाय में भागीदारी क्या बढ़ी पुरुषों को हमारी एंपावरमेंट अपसेट करने लगी। वे इस एंपावर को मटियामेट करने पर उतारू हो जाते हैं। मैं स्वयं पुरी कॉलोनी के बच्चों बच्चों की जगत बुआ हूं,लेकिन आज तक कोई भी पुरुष,जगत फूफा, नहीं बन पाया ।जगत बुआ बनकर पुरुषों द्वारा संचालित कार्यक्रम में जा जाकर महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हूं ।लेकिन पुरुष जो फूफा तो नहीं बन सके हम महिलाओं पर हमेशा फू फा करते रहते है।

बुआ के पुरुषों के प्रति सुनकर कॉलोनी के लेखक जी की पत्नी जो उनकी वजह से जानी पहचानी जाती थी, वह बोली वे तो रोज घर जाकर सफेद को काला कर लिखने बैठ जाते है और लिख्खड़ बन बैठे है। जब भी वे घर आते है कागज कलम लेकर बैठ जाते हैं। पहले तो कलम से लिखते थे अब मोबाइल से बड़ बड़ कर लिखते है,ऐसा लगता है मानो वे हम पर बड़ बड़ कर रहे हो।

लेखक जी की पत्नी की पुरुषों के वर्चस्व बात सुनकर कॉलोनी की रुक्मणी दीदी बोली मेरे शौहर रोज सुबह कंधे पर लैपटॉप टांग कर जाते हैं ,लेकिन शायद उसे उतारते भी नहीं है और शाम को घर आ कर कहते हैं दिन भर कंधे पर लैपटॉप का भार था और घर आते ही पत्नी, बच्चों,फैमिली का भार कहकर हम महिलाओं को कुछ करने के प्रयास से रोकते हैं । किटी पार्टी में पुरुषों के प्रलाप की इंट्री से किटी पार्टी कटी पार्टी में बदल रही थी ।तब निशा भाभी बोली मैं तो जॉब करती हूं और घर परिवार की जेब भरती हूं, इस पर इस पर शकुंतला भाभी बोली तुम्हारे साब तो फिर भी अच्छे हैं ,अरे दरी क्या कहूं ,हमारे साब तो हर बात बात पर रो पड़ते हैं तो मैं कहती हूं तुम तो मर्द हो औरतों की तरह क्यों रहते हो। ये बाई दासियापना अच्छा नहीं लगता है लेकिन वे घड़ियाली आंसू बहा कर फोकट में हमदर्दी ले लेते हैं। वो बोले लोगों ने पुरुष को ही जिंदगी का सच मान लिया है जो सफेद झूठ है।

किटी पार्टी में महिलाओं के विष वूमेन को सुनकर पुरुषों से हमदर्दी रखने वाली धुली बेन बोली हमारे साब तो हमें बराबरी का समझते हैं ।इस पर लतिका भाभी बोली मेरे साब जब मेरी बातें मानते हैं तो पड़ोसी कहते हैं यह तो जोरू का गुलाम है ।इसके कारण उन्होंने यह सुन सुनकर घर का कामकाज करना छोड़ दिया। किटी पार्टी में पुरुषों के प्रति बिगड़ैल माहौल से आजीज हो चुकी कॉलोनी की भाभियां समवेत स्वर में बोली पुरुषों का यह दिवस आखिर क्यों मनाया जाता है। अरे हर दिन तो पुरुषों का ही दिन होता है। इसलिए किट किट मत करो और मेंस डे को सलाम करो !

अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बच्चों के अधिकारों का हो सम्मान

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'प्रत्येक बच्चे के लिए, प्रत्येक अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्टूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थीकि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्टूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्टूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्टूबर को ईरान, 12 अक्टूबर को ब्राजील, अक्टूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्टूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। बहरहाल, अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके और बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

पुस्तक इन दिनों

मोहन वर्मा

समीक्षक

रतलाम का इतिहास: एक शहर के अतीत की गाथा

हर गाँव, कस्बे,शहर और देश का एक इतिहास होता है, जो बरसों बरस से गूंजता रहता है। इस इतिहास की परतों में दबी होती है लिखी अनलिखी

सुनी अनसुनी सैकड़ों गाथाए जिनपर पीढ़ी दर पीढ़ी, गर्व किया जा सकता है तो अफ़सोस भी किया जा सकता है। घटनाओं,व्यक्तित्वों और विरासतों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। अपने कस्बे,शहर या देश के जुनूनी बाशिंदे अपनी मातृभूमि,जमीन,की बेहतरी के लिए किये अपने कामों से उसका जो स्वर्णिम इतिहास रचते हैं वो पीढ़ी दर पीढ़ी याद किया जाना चाहिए और उसे याद रखने का सर्वोत्तम तरीका उसका दस्तावेजीकरण है।

रतलाम का स्वर्णिम इतिहास पुस्तक में रतलाम के बाशिंदे लेखक,पत्रकार ललित भाटी ने बरसों की मेहनत के बाद रतलाम के ऐसे छुए अनछुए,लिखे अनलिखे और महत्तवपूर्ण तथ्यों को शब्दों में पिरोया है जो रतलाम के हर बाशिंदे को पढ़ना चाहिए। यह पुस्तक आने वालीं पीढ़ी के लिए भी अमूल्य दस्तावेज है जिसके माध्यम से बच्चे अपने शहर के स्वर्णिम इतिहास से वाकिफ़ हो सकें।

298 पेज की इस पुस्तक में एक और जहां तत्कालीन रतलाम राज्य की स्थापना से लेकर रतलाम के अन्तिम राजा तक के शासनकाल का प्रामाणिक इतिहास है तो रतलाम का स्वाधीनता संग्राम आंदोलन मे योगदान, रतलाम की एतिहासिक पुरातत्व महत्व की धरोहरों की प्रामाणिक जानकारी भी है। रतलाम के इतिहास से जुड़ी महत्तवपूर्ण स्मृतियां है तो विकसित होने का सिलसिलेवार ब्यौरा भी है।

आज़ादी के पूर्व स्वाधीनता संग्राम में मालवा की महत्तवपूर्ण रियासतों में इंदौर, धार, उज्जैन,देवास और रतलाम का विशेष महत्तव रहा है,जो नई पीढ़ी को जानना जरूरी है इसलिए भी यह पुस्तक रतलाम वासियों के लिये जरूरी दस्तावेज है। बकौल वरिष्ठ लेखक नरहरी पटेल ये किताब राज परिवार के इतिहास की विरुदावली न होकर पूरे रतलाम अंचल का ऐसा दस्तावेज है जिसमें रतलाम राजवंश के अलावा वहां के भूगोल, जलवायु, प्रकृति,जनजीवन के साथ आम आदमी की मानसिक और सामाजिक स्थितियों को भी समेटे है।

रतलाम के इतिहास पर आधारित इस पुस्तक को पढ़कर रतलाम के स्वर्णिम समय से रूबरू हुआ जा सकता है कि कैसे यहां का पश्चिम रेल्वे का जंक्शन दिल्ली मुंबई मार्ग का एक महत्वपूर्ण जंक्शन रहा, कि कैसे और किन परिस्थितियों में यहाँ उद्योगी करण की शुरुवात हुई,कि कैसे और किन व्यक्तित्वों के कारण ये शहर प्रदेश में कला और संस्कृति में अपना एक विशेष स्थान बना

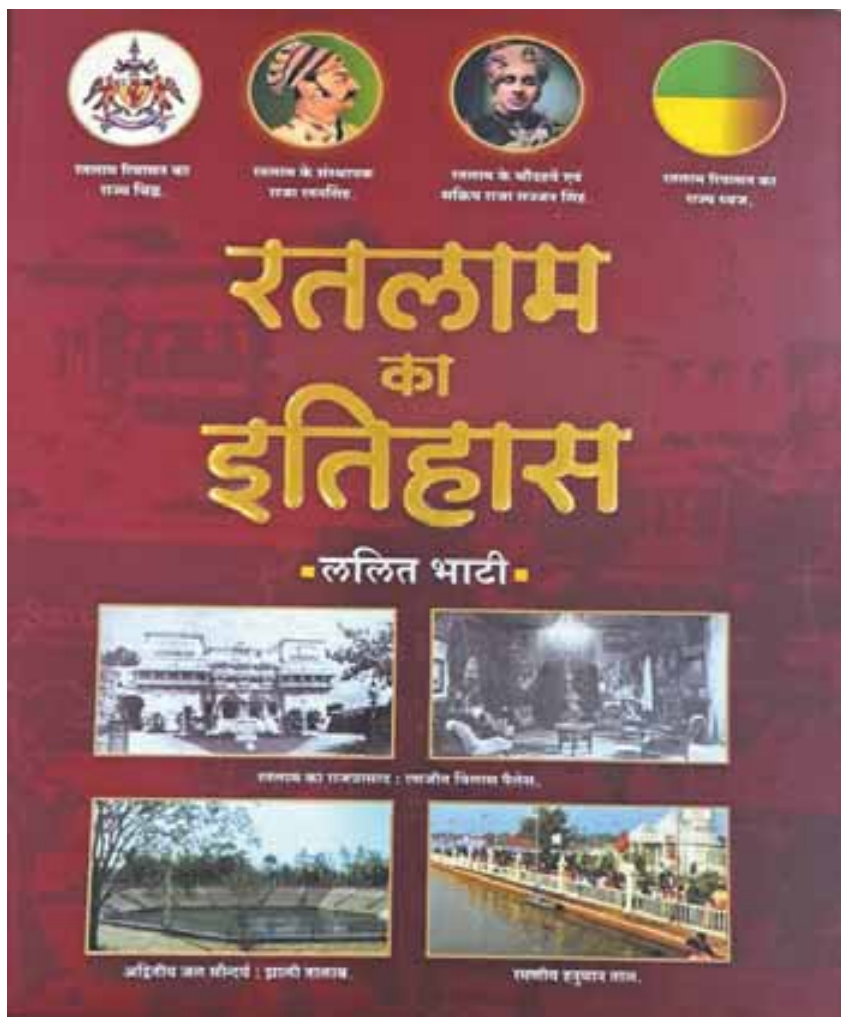

सका। पुस्तक में आये हवाले के अनुसार अगस्त 31 को महात्मा गांधी और नेहरू जी ने रतलाम से होकर गुजरते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया था।

रतलाम, ख्यात गायक स्व मोहम्मद रफी के रतलाम आगमन का भी गवाह है जब सत्तर के दशक में रफी साहब ने रतलाम आने का आग्रह स्वीकार कर सिर्फ यात्रा व्यय पर यहां कार्यक्रम प्रस्तुत किया था, और तत्कालीन राजा लोकेन्द्र सिंह के आतिथ्य में रणजीत विलास पैलेस में गीत संगीत की महफिल का आनंद रतलाम और आसपास के हजारों लोगों ने लिया था।

आज रतलाम विश्वभर में अपने नमकीन,जेवर और खानपान के साथ मेहमाननवाज़ी के लिए भी जाना जाता है मगर बीते कल में झाँककर रतलाम के इतिहास से रूबरू होने के लिए शहर के संवेदनशील लेखक ललित भाटी द्वारा लिखित पुस्तक रतलाम का इतिहास हर मालवावासी और रतलामवासियों को पढ़ना चाहिए,खासकर नई पीढ़ी को जिससे वे अपने शहर के स्वर्णिम इतिहास से रूबरू हो सकें।

विचार

सिल्की अग्रवाल

जिम्मेदारी ही पुरुष के जीवन का महाकाव्य है

वो जब अपना और परिवार का मन मार के एक एक पाई जोड़ता है, कल के लिए, तो कंजूस कहलाता है।

वो जब अपना और सबका मन रखता है, खुल कर उनके शौक पूरे करता है, तो वो गैर जिम्मेदार कहलाता है।

वो मन से रॉयल एनफील्ड चला कर उड़ना चाहता है, पर सबकी इच्छा के लिए उतने पैसे की छोटी सेकंड हैंड कार ले लेता है।

वो जो न खेल में चोट से रोया, न बॉस से डांट खा कर रोया, न कार्यस्थल पर होती नित नई पॉलिटिक्स से प्रभावित हुआ, वो विदा होती बहन को गले लगा कर फूट फूट कर रो देता है।

प्रकृति ने माँ बनने का सौभाग्य नही दिया उसको, पर वो ज़िन्दगी भर सर झुका कर माँ की महानता की अवधारणा को स्वीकारता है, और अपने पिता होने के फ़र्ज़ को बिन उस महानता में हिस्सा मांगे पूरा करता है।

झउसे अपने बच्चे के मुस्कुराते फोटो पर दिल बनाना नही आता, जब दुनिया उसके बच्चे के फोटो पर दिल बनाती है, वो मुस्कुरा कर उसके लिए चाइल्ड प्लान लेने का हिसाब ढूंढता है।

झवो पुरुषों से संबंधित हमारे हर बुरे अनुभव को सर झुका कर सुनता है और उन सबसे उपजे अविश्वास को स्वीकार करता है।

पुरुषों के लिए कोई कविता नही लिखी जाती, उनके योगदान के लिये कालजयी लेख भी नही लिखे जायेंगे, उनकी जिम्मेदारी ही उनके जीवन का महाकाव्य है।

मानसिक स्वास्थ्य

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक हैं।

केवल एक शारीरिक समस्या नहीं है मिर्गी

हर साल 17 नवंबर को नेशनल एपिलेप्सी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य मिर्गी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इससे पीड़ित लोगों को बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। एक मनोचिकित्सक के रूप में, मैं मिर्गी से जुड़े उन मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं पर प्रकाश डालना चाहता हूँ, जो अक्सर अनदेखे रह जाते हैं।

मिर्गी केवल एक शारीरिक समस्या नहीं है। मिर्गी को आमतौर पर एक शारीरिक विकार माना जाता है, जिसमें व्यक्ति को अचानक दौरे आते हैं। हालांकि, मिर्गी केवल शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका गहरा प्रभाव मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। दौरे के साथ आने वाला डर, अनिश्चितता, और सामाजिक कलंक एक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। मिर्गी से जूझ रहे व्यक्ति को न केवल शारीरिक दौरे का सामना करना पड़ता है, बल्कि उसे मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक चुनौतियों से भी जूझना पड़ता है। आइए, इन चुनौतियों को विस्तार से समझते हैं:

1. अवसाद और चिंता – मिर्गी के रोगियों में अवसाद और चिंता की समस्या बहुत आम है। दौरे कब आएंगे, इस अनिश्चितता के कारण व्यक्ति हमेशा चिंतित रहता है। यह चिंता धीरे-धीरे अवसाद में बदल सकती है, खासकर जब उन्हें लगता है कि वे अपने जीवन पर नियंत्रण खो चुके हैं।

2. आत्म-सम्मान में कमी – मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति अक्सर महसूस करता है कि वह दूसरों से अलग है। लगातार दौरे आने का डर उनके आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है। उन्हें लगता है कि वे अपने मित्रों और परिवार के सामने कमजोर हैं।

3. सामाजिक अलगाव – मिर्गी के कारण कई लोग सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से कतराते हैं। उन्हें डर रहता है कि अगर किसी सामाजिक कार्यक्रम में दौरा आ गया तो लोग क्या सोचेंगे। यह डर उन्हें धीरे-धीरे सामाजिक रूप से अलग कर देता है।

मिर्गी और समाज का कलंक – हमारे समाज में आज भी मिर्गी को लेकर कई गलत धारणाएँ और कलंक हैं। कई लोग इसे किसी अभिशाप या दैवीय प्रकोप का परिणाम मानते हैं। इस वजह से मिर्गी के मरीजों को भेदभाव और अस्वीकार का सामना करना पड़ता है। नौकरी, शिक्षा, और विवाह जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों में भी उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मनोवैज्ञानिक सहयोग और समाधान– एक मनोचिकित्सक के रूप में, मेरा मानना है कि मिर्गी के रोगियों को शारीरिक उपचार के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक सहयोग की भी आवश्यकता है। सही परामर्श, सहयोग और सकारात्मक माहौल से मिर्गी के मरीज अपनी मानसिक स्थिति को बेहतर कर सकते हैं।

1. मनोचिकित्सक परामर्श– नियमित मनोचिकित्सक परामर्श से मिर्गी के रोगियों को अवसाद और चिंता से उबरने में मदद मिल सकती है। इससे वे अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और उनसे निपटने की रणनीतियाँ सीख सकते हैं।

2. योग और ध्यान – मानसिक शांति के लिए योग और ध्यान अत्यधिक प्रभावी होते हैं। यह न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि मस्तिष्क को भी शांत रखता है।

3. समर्थन समूह – मिर्गी के रोगियों के लिए समर्थन समूह बेहद मददगार हो सकते हैं। वहाँ वे अपनी कहानियाँ साझा कर सकते हैं और समान अनुभव वाले लोगों से प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

4. परिवार का समर्थन – परिवार का सहारा और सकारात्मक दृष्टिकोण मिर्गी के मरीज के आत्मविश्वास को बढ़ाने में बहुत सहायक होता है। उनके प्रति संवेदनशीलता और समझ दिखाना आवश्यक है। मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि मिर्गी के प्रति अपनी सोच को बदलें। यह केवल एक बीमारी है, किसी के व्यक्तित्व या क्षमताओं का प्रतिबिंब नहीं। मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति भी आपकी और मेरी तरह सामान्य जीवन जी सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही समर्थन और समझ मिले। आइए, हम सभी मिलकर मिर्गी के रोगियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाएँ, उनके अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दें।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

पाठकों को तनाव रहित करती व्यंग्य रचनाएं

आजकल के जमाने में हर एक क्षेत्र में तमाम तरह की विसंगति एवं समस्याओं की भरमार है। ऐसी स्थिति में आम पाठक को हंसने या मुस्कुराने का अवसर कम ही मिला करता है। वैसे भी जमाने में संताप कम नहीं है। एक समस्या सुलझाने जाओ तो चार अन्य समस्याएं खड़ी हो जाया करती है। महंगाई और भ्रष्टाचार, अफसर शाही और लाल फीता शाही, साझेदारी और कमीशन, जातिवाद और वर्गवाद तथा राजनीतिक जगत में व्याप्त तमाम तरह के आरोप-प्रत्यारोप के चलते आम आदमी अघाया हुआ है। उस पर से उसकी व्यक्तिगत समस्याएं तो उसे एकदम तोड़ कर रख दिया करती है।

ऐसी स्थिति में जब रोने से ही फुर्सत नहीं मिले, कैसेहंसे और कैसे मुस्कुराए ? इस चिंता को व्यंग्य रचनाएं ही दूर करती है। अनुभव से देखने में आया है कि जब जमाने भर की चिंता सर पर सवार हो जाए, मन कहीं भी न लगे, यहां तक कि जिंदगी से तौबा करने का विचार भी आने लगे, कहीं भटकने की आवश्यकता नहीं है। मत जाइए सिद्ध पुरुष के पास, मत जाइए मनके सुकून के लिए ऊपर वाले के दरबार में, ऐसी स्थिति में समस्या का एक ही हल है - किसी व्यंग्य रचना पर अपनी नजरे इनायत कर दी जाए। दरअसल व्यंग्य का जादू सर चढ़कर बोलता है। व्यंग्य सहज सरल भाषा में ही रचे जाते हैं। जिसे समझने के लिए ज्यादा दिमाग लगाने की कतई कोई आवश्यकता नहीं होती।

पढ़ लीजिए कोई व्यंग्य रचना, और महसूस कीजिए जिंदगी के आनंद को। मैं तो यहां तक कहता हूंकि सचमुच धन्य है वे अखबार जो इस बेदर्द जमाने में दर्दहर के रूप में अपने पाठकों के लिए व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत करते रहे हैं। और धन्य तो वे सभी हैं जो आपके हमारे दर्द की अनुभूति करते हुए हमारे अपने वाले होने का परिचय दे रहे हैं। दरअसल व्यंग्य की महिमा बड़ी न्यारी है। आम पाठक को तनाव रहित करने में इसकी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जैसे-जैसे समस्याएं बढ़ती चली जाएगी वैसे-वैसे व्यंग्य ही एकमात्र ऐसा साधन होगा जो मुक्तिधाम में भी मुस्कुराने का अवसर प्रदान करेगा।

व्यंग्य तो एक प्रकार से रोते-रोते हंसना सिंखाता है।

कहा जाता है कि घायल की गति घायल जाने। लेकिन व्यंग्यकारों के लिए घायल होना कोई आवश्यक नहीं होता। वास्तव में वे तो दूसरों के दर्द को अपना निजी दर्द समझने वाले महामानव हुआ करते हैं। अन्यथा आज के जमाने में कौन किसी की परवाह करता है। वैसे भी आम पाठक अपनी जिंदगी का हिसाब लगाएं, तो बहुत कम अवसर ऐसे मिले होंगे जब वह उन्मुक्त हंसी हंसे होंगे। लेकिन जो नियमित रूप से व्यंग्य पढ़ते हैं, कुछ समय के लिए ही सही, लेकिन जिंदगी को सच्चे अर्थों में जी जाया करते हैं। आदमी की किस्मत में कितना भी रोना क्यों न लिखा हो, व्यंग्य से बढ़कर कोई रामबाण दवा और क्या हो सकती है।

व्यंग्य कभी आसमान से निकल कर नहीं आता। वैसे इसमें परिकल्पनाएं जरूर हुआ करती है, लेकिन ऐसी परिकल्पनाएं भी यथार्थ के धरातल पर टिकी हुई हुआ करती है। आमतौर पर बात संकेतात्मक रूप से कही जाती है, लेकिन हर किसी की समझ में बड़ी आसानी से आ जाया करती है। व्यंग्यकार जो कहना था, वह कह चुके होते हैं। तत्काल प्रभाव से जिन्हें समझना चाहिए, वह समझ भी जाते हैं। हमारे लिए यह गनीमत है कि सत्ता की चाबी हमारे पास होती है। जिसे प्रत्येक 5 वर्ष के अंतराल में हम इनके या उनके लिए उपयोग में लाने देते हैं। जिसके चलते हम ठगा भी जाते हैं, लेकिन चिंता बात नहीं हम सब की ओर से व्यंग्यकार एक-एक के कान पकड़ेंगे ही पकड़ेंगे।

मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी, रानी लक्ष्मीबाई जयंती मनाई

●नाट्य मंचन कर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को किया याद

बैतूल। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने लक्ष्मीबाई का स्वरूप रख लघु नाटिका प्रस्तुत की। उन्होंने सजीवता पूर्वक उन के चरित्र एवं कृतित्व पर सुंदर प्रस्तुति दी अपने अभिनय के माध्यम से इन छात्राओं का की मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती कीर्ति साहू ने झांसी की रानी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रानी लक्ष्मी बाई के वीरता के विषय में बताते हुए कहा कि लक्ष्मी बाई की खनक से अंग्रेज दहशत में आ जाते थे। लक्ष्मी बाई आखिरी सांस तक लड़ी पर अंग्रेजों के आगे हथियार नहीं डाले। प्राचार्य संजय उपाध्याय ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई ने बता दिया कि कोई भी महिला कमजोर नहीं होती है। उन्होने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई एक महान नेत्री थी। इस कार्यक्रम में बच्चों ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन साल की सजा

बैतूल। 13 वर्षीय नाबालिग बालिका से छेडछाड करने वाले आरोपी को द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश ने दोषी ठहराते हुए 3 साल के कारावास और जुर्माने से दंडित किया। विशेष लोक अभियोजक मालिनी देशराज ने बताया कि 24 जुलाई 2024 को साईखेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी बालिका स्कूल गई थी। स्कूल में ऑफिस के बाजू में उसकी छोटी बहन की कक्षा है। वह छोटी बहन की कक्षा में उससे बात कर रही थी। इस दौरान योगेश आया और उसे पकडकर छेडछाड़ कर कक्षा का गेट बंद करने लगा। जब वह भागने लगी तो योगेश ने किसी को बताने पर मारने की धमकी दी। जिससे वह डर गई। इसके बाद से योगेश उसे लगातार परेशान करने लगा। जिसकी जानकारी परिजनों को दी। थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं एवं पॉक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई उपरांत आरोपी योगेश झरबडे को तीन साल के कारावास और 2 हजार रुपए के जुर्माना से दंडित किया।इस प्रकरण में मप्र शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्रीमती मालिनी देशराज द्वारा पैरवी की गई।

भाजपा कार्यालय में मनी झांसी की रानी की जयंती

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय विजय भवन में मंगलवार की शाम वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई की जयंती मनाई गई। भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला सहित उपस्थित कार्यकर्ताओ और पदाधिकारियों ने महारानी लक्ष्मी बाई के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रृद्वांजली दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री शुक्ला ने कहा कि महारानी लक्ष्मी बाई ने मात्र 23 वर्ष की उम्र में अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लिया एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्व भूमि में अपने प्राण उत्सर्ग कर दिए। उनके संघर्ष और बलिदान को कभी भूलना नही चाहिए। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री कमलेश सिंह ,जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, कोठीबाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य, कैलाश बंडू धोटे, जयकिशोर साहू, आशीष पंवार, सावन्या शेषकर, अंशुल मिश्रा, मनोहर परते सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईलमसिंह सोलंकी का निधन, चौदहवीं कार्यक्रम 30 नवंबर को

बैतूल। विक्रय कर विभाग से रिटायर्ड ईलमसिंह सोलंकी का रविवार 17 नवंबर को आकस्मिक निधन हो गया था। जिनका दसवां कार्यक्रम 26 नवंबर को तापी घाट मुलताई में संपन्न और चौदहवीं कार्यक्रम (श्रद्धांजलि) शनिवार 30 नवंबर को सुबह 11 बजे से निज निवास चंद्रशेखर वार्ड सदर बैतूल में रखा गया है। शोकाकुल परिवार में स्व. ईलमसिंह सोलंकी की पत्नि श्रीमती सेवंती सोलंकी, आशीष सिंह बबलू सोलंकी, विक्रांत सिंह, रोहन सिंह, तनिल सिंह सोलंकी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कार्यक्रम में उपस्थित होने का सभी से आग्रह किया है।

जिले में हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान हुआ प्रारंभ

बैतूल। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर 19 नवंबर 2024 को जिले में हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान प्रारंभ किया गया। यह अभियान आगामी 10 दिसंबर 2024 तक जिले में चलेगा। अभियान के दौरान शौचालय विहीन परिवारों का चिन्हांकन कर पात्र परिवारों को स्वीकृति पत्र का वितरण भी किया जाएगा। इसके अलावा शौचालय संवारे जीवन निहारे÷ की टैगलाइन के माध्यम से ग्रामीणों को शौचालय के लिए प्रेरित कर शौचालयों की पेंटिंग, मरम्मत, आईसी गतिविधियां संचालित की जाएगी। अभियान के समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ शौचालय एवं सामुदायिक स्वच्छता परिसरों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। इस हेतु पंचायत स्तर से सर्वश्रेष्ठ दो शौचालय, ब्लॉक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 3 शौचालय तथा जिला स्तर पर पांच शौचालयों का चयन किया जाएगा।

तापमान में उतार-चढ़ाव का लोगों की सेहत पर दिख रहा असर

जिला अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या, डॉक्टर सावधानी बरतने की दे रहे सलाह

संजय द्विवेदी, बैतूल।

तापमान में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। कभी तापमान में बढ़ोतरी हो रही है, तो कभी तापमान घट रहा है। इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है। हालात यह है कि दिन में गर्मी, सुबह-शाम ठंड का एहसास होने से जिला अस्पताल में सर्दी-जुकाम, बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अस्पताल से लेकर निजी क्लीनिकों व लैब सेंटरों पर डॉक्टरों से परामर्श और खून की जांच कराने के लिए मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। डॉक्टरों की मानें तो इस समय दोपहर में गर्मी और सुबह-शाम हल्की सर्दी होने से एलर्जी व सर्दी जुकाम के मरीज बढ़ रहे हैं। हर उम्र के लोगों को यह शिकायत हो रही है। मौसम में उतार-चढ़ाव के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्ग ज्यादा प्रभावित हो रहे है। बता दे कि नवंबर माह का दूसरा पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी ठंड का व्यापक असर नहीं दिख रहा है। दिन के समय तेज धूप खिलने से गर्मी लग रही है। वहीं रात और सुबह के समय गुलाबी सर्दी का अहसास हो रहा है। रात का पारा कम और दिन का पारा चढ़ने से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या: इन दिनों जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढने लगी है। पहले जहां जिला अस्पताल की ओपीड 300-350 के आसपास रहती थी, वहीं अब रोजाना 400 से 500 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे है। जिसमें 65 प्रतिशत से अधिक संख्या सर्दी, जुकाम, उल्टी-दस्त और बुखार के मरीज की रहती है। अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक वायरल बुखार आमतौर पर साधारण बुखार की तरह ही होता है। बुखार होने पर तुरंत इलाज करवाना जरूरी है। शरीर में दर्द, गले में खरास, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, कमजोरी महसूस होना, सिर दर्द होने के साथ तेज बुखार, खांसी की शिकायत सहित अन्य लक्षण वायरल बुखार से जुड़े है।

तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति जारी

पिछले एक सप्ताह से तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। कभी तापमान में बढ़ोतरी हो रही है तो कभी तापमान घट रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं एक दिन पहले अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। इस तरह अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, वहीं न्यूनतम तापमान में 0.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले एक सप्ताह में सबसे कम तापमान 16 नवंबर को दर्ज किया गया। 16 नवंबर को न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस था। इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इधर मौसम विज्ञानी शिल्पा आपटे ने बताया कि फिलहाल कोई सिस्टम नहीं है। उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम सक्रिय है, लेकिन हवा की रफ्तार अभी कम है। 20 नवंबर के बाद सर्द हवा के कारण तापमान में और गिरावट होगी। अलसुबह धुंध और कोहरा छाना शुरू हो गया है।

डॉक्टर सावधानी बरतने की दे रहे सलाह

डॉक्टरों के मुताबिक मौसम परिवर्तन के साथ ही मौसमी बीमारियों के मरीज बढने लगे हैं। बुखार, सर्दी-खांसी के मरीज भारी संख्या में इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। अचानक मौसम में आ रहे बदलाव का असर लोगों के शरीर पर पड़ रहा है, इसलिए खानपान और स्वच्छता पर ध्यान देने की विशेष जरूरत है। पानी को उबालकर ही पीये। आसपास गंदगी जमा न होने दे और बाहर से लाई गई सब्जियों को अच्छी तरह साफ करके ही पकाये। बुखार, उल्टी-दस्त सहित सर्दी, खांसी होने पर चिकित्सकों को दिखाये और डॉक्टरों की सलाह से ही दवाईयां ले।

निजी क्लीनिक और खून की जांच कराने लग रही भीड़: मौसम में बदलाव होने से लोग वायरल फीवर, बुखार, सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी बीमारियों से पीड़ित हो रहे है। कुछ मरीज ऐसे भी मिल रहे है, जिनका उपचार करने के बाद भी आराम नहीं लग रहा है। ऐसे मरीजों को डॉक्टर खून की जांच कराने की सलाह दे रहे है। जिसके कारण लैब पर भी मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इधर सिविल अस्पताल में भी रोजाना ओपीडी में मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। यहां भी चिकित्सक बीमारियों का सही उपचार करने के लिए मरीजों को जांच की सलाह दे रहे है।

खनिज विभाग ने मुरम, गिट्टी का अवैध उत्खनन, परिवहन पर की कार्यवाही

●ग्राम डुल्हारा क्षेत्र में कोयला के अवैध उत्खनन से बने गड्ढों को किया बंद

●एक पोकलेन एवं तीन डंपर जब्त

बैतूल। खनिज विभाग ने अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 16 नवंबर को ग्राम चिचंडा फोरलेन पर खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 1 डंपर को जब्त कर कार्यवाही की गई है। 19 नवंबर को घोड़ाडोंगरी के ग्राम डुल्हारा क्षेत्र अंतर्गत कोयला के अवैध उत्खनन से बने गड्ढों को सहायक खनिज अधिकारी, खनिज निरीक्षक, राजस्व एवं पुलिस अमले की उपस्थिति में 5 डम्परों एवं 2 जेसीबी मशीनों के माध्यम से बंद करवाया गया। ग्राम रावनवाडी पंचायत के अंतर्गत खनिज मुरूम के अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैतूल एवं उप संचालक खनिज प्रशासन बैतूल के निर्देश पर प्रभारी खनिज सर्वेयर, सहायक मानचित्रकार बैतूल एवं हल्का पटवारी खेडला द्वारा ग्राम खेडला में स्थित निजी भूमि ख. क्र. 92/1 के अंश भाग पर खनिज मुरूम का अवैध उत्खनन करते हुए पाये जाने पर मनीष राजपूत निवासी बुधनी सीहोर के विरुद्ध जांच की जा रही है। अवैध उत्खनन में 1 पोकलेन मशीन एवं 1 डम्पर एमपी 50, एच-1402 भरा हुआ पाया गया एवं 1 डम्पर एमपी 28, एच-1752 खाली पाया गया। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त अवैध उत्खनन मुरुम को रेलवे की साइट पर ले जाना बताया गया।

मौके पर उपस्थित खनिज, राजस्व अमला द्वारा पंचनामा बनाकर खनिज नियमों के तहत अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया जा रहा है। श्री पालेवार ने बताया कि उक्त प्रकरण पर मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण न्यायालय कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत कर कार्यवाही की जा रही है।

चार माह से नहीं हुई नालियों की सफाई, रहवासी परेशान

बैतूल/ भौरा। ग्राम पंचायत भौरा के वार्ड क्रमांक 6 में पिछले पांच महीनों से नालियों की सफाई नहीं हुई है। इस कारण गंदगी और पानी का जमाव बढ़ गया है, जिससे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। रहवासियों का कहना है कि इस समस्या ने उनका जीवन मुश्किल कर दिया है। स्थानीय निवासी सुरेश करेले ने बताया कि नालियों के जाम होने से गंदा पानी के कारण बदबू फैल रही है। उन्होंने कहा गंदगी के कारण बच्चों के लिए घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। संजीव विजयकर ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार पंचायत सचिव को शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। स्थानीय रहवासी सुरेंद्र खरे, करण मोहबे, राजेश मोहबे, विशाल मोहबे ने बताया कि नालियों की सफाई के अभाव में मच्छरों की संख्या बढ़ने से बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा दुर्गंध और गंदगी के कारण घर में रहना भी दूभर हो गया है। वहीं, यश राठौर ने बताया कि बारिश के दौरान हालात और बिगड़ जाते हैं। रहवासियों ने ग्राम पंचायत के अलावा स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से भी समस्या का समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि सफाई कार्य में देरी से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है।

स्वास्थ्य संकट गहराने की संभावना ....

क्षेत्र में बढ़ते मच्छरों और गंदगी के कारण संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ गई है। संजीव विजयकर ने कहा कि गंदगी के कारण बच्चों और बुजुर्गों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को तत्काल कदम उठाने चाहिए। वार्ड क्रमांक 6 के रहवासी पंचायत से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान चाहते हैं। नालियों की सफाई को प्राथमिकता देकर ही इस संकट को टाला जा सकता है। पंचायत प्रशासन की ओर से अब तक केवल आश्वासन मिला है, लेकिन नागरिकों को उम्मीद है कि जल्द ही ठोस कार्रवाई होगी।

इनका कहना है-

हम जल्द ही वार्ड की नालियों की सफाई कराएंगे। समस्या यह भी है कि कुछ लोग नालियों के पास ही निस्तार करते हैं, जिससे सफाई पूरी तरह से नहीं हो पाती। हम नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करेंगे।

- मीरा धुर्वे, सरपंच ग्राम पंचायत भौरा,

मेरा स्वास्थ्य खराब होने के कारण में बैतूल हॉस्पिटल में हूं। आप सरपंच मैडम से बात कर लीजिए।

- राजेश उईके, सचिव ग्राम पंचायत भौरा

किसानों को देने के बजाय नदी में बहाया जा रहा है वर्धा बांध का पानी

किसानों में रोष, 10 फीट घटा वर्धा का पानी, 6 वर्ष बाद भी अधूरी पड़ी सिंचाई योजना

बैतूल/मुलताई। हजारों परिवारों को सुनहरे भविष्य का सपना दिखाती वर्धा सिंचाई परियोजना बीते 6 वर्षों से अधर में लटकी हुई है। वर्धा बांध के समीपस्थ ग्राम के ग्रामीण बताते हैं कि अधिकारी और ठेकेदारों की मनमानी के चलते क्षेत्र के किसानों मे भारी रोष है। बीते एक माह से वर्धा बांध का पानी नहर और नदी के माध्यम से व्यर्थ बहाया जा रहा है। जिसके कारण बांध का लगभग 10 फीट जलस्तर घट गया है। ग्राम सलाईडाना निवासी लखन महोबे, चंदन पवार, दिनकर मास्कुले, भालू राम कुमरे ,नानू बरखड़े कोडर निवासी लोकेश साहू,पवन शिवहरे, मारुति बिहारे,लालजी साहू श्री राम बेले बताते हैं कि वर्धा बांध का पानी जिस रफ्तार से किसानों को देने के बजाय वर्धा नदी एवं अधूरी नहर में बहाया जा रहा है बीते एक माह में बांध का पानी पूरी तरीके से समाप्त हो जाएगा। अधिकारी और ठेकेदारों की मिली भगत के चलते 6 वर्षों से अपना भविष्य तलाश रहे इस बांध से लिफ्ट के माध्यम से सलाईडाना, कोडर, डहरगांव सहीत अनेक ग्राम के ग्रामीण सिंचाई करते हैं और अगर पानी बहाने की यही रफ्तार रही तो किसानो के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी।

किसान बताते हैं कि बांध का काम भले पूर्ण नहीं हुआ हो किंतु इस बात में पानी रुकना प्रारंभ हो गया है और जिसके चलते ग्रामीण इस जल का उपयोग अपने खेतों की सिंचाई के लिए करते हैं अनेक किसान वर्धा बांध में संग्रहित पानी के भरोसे अपने खेतों में गेहूं की फसल की बोनी की है अगर अगले माह तक यह पानी बहा दिया गया तो किसानों के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

2018 में हुआ था वर्धा बांध का भूमि पूजन

मुलताई जिले का महत्वपूर्ण सिंचाई डिविजन इन दीनों बदहाल स्थिति में है जानकार बताते हैं कि मुलताई सिंचाई डिवीजन में परमानेंट कार्यपालन यंत्री है नहीं अगर एसडीओ ठेकेदारों का कार्यकाल बढ़ाने में आनाकानी करते हैं तो ठेकेदार उनका स्थानांतरण करा देते है। वर्धा बांध का भूमि पूजन 2018 में वर्तमान विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने किया था आज 6 वर्ष पूर्ण होने को है फिर भी योजना पूरी नहीं हुई। बीते 3 वर्षों से मुलताई में परमानेंट कार्यपालन यंत्री की पोस्टिंग नहीं हुई है जिन एसडीओ को कार्यपालन यंत्री का प्रभार सौपा गया है उनके पास बैतूल का भी प्रभार है और वह कभी कभार मुलताई आते हैं जिसका खामिया क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है ।

इनका कहना...

इस वर्ष वर्धा कमांड के किसानों को पानी देना है। इसलिए टेस्टिंग की जा रही है। वर्धा बांध का कार्य 4 वर्ष में पूर्ण होना था ठेकेदार का दो बार कार्यकाल बढ़ाया गया है समय सीमा को लेकर किसी का ट्रांसफर नहीं हुआ है।

- विपिन बामनकर
प्रभारी कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग मुलताई

औद्योगिक समृद्धि के आधार पर देश का नंबर वन राज्य बनेगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

- 43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश दिवस का आयोजन
- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मेले में मध्यप्रदेश मंडप का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री की गतिशीलता प्रदेश के औद्योगिकीकरण में सहायकः मंत्री श्री कश्यप

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों और संपदा से संपन्न राज्य है। प्रदेश की हर काल और युग में विशेष सांस्कृतिक पहचान रही है। आधुनिक काल में औद्योगिक समृद्धि के आधार पर देश का नंबर वन राज्य बनाने के संकल्प के साथ प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश की समृद्ध प्राचीन संस्कृति और कलात्मक धरोहर को संजोए रखते हुए जन-कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार कर प्रदेश में व्यापार, उद्योग और सेवा क्षेत्रों का वृहद विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चल रहे 43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग स्थित है। यह नदियों का मायका है, जहां पावन नर्मदा और शिप्रा नदियां बहती हैं। प्रदेश वन्य-जीव से संपन्न एकमात्र टाइगर स्टेट, तेंदुआ स्टेट और चीता स्टेट राज्य है। प्रदेश में खनिज संपदा भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और यह एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य है। इसके अलावा प्रदेश की सदियों से कला, संस्कृति और सभ्यता की विशेष पहचान रही है। इसका 5 हजार साल पुराना समृद्ध इतिहास रहा है और यह भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम की कर्मभूमि और तपोभूमि रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐतिहासिक काल से ही प्रदेश की व्यापार और व्यावसायिक समृद्धि की भी विशेष पहचान रही है। इसी क्रम में वर्तमान में मध्यप्रदेश सरकार संभागीय स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और औद्योगिक केंद्रों में रोड-शो कर प्रदेश में उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रदेश में 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह को भी प्रोत्साहित किया जा रही है। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के साथ भारी उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश को सबसे तेज गति से बढ़ने वाला राज्य बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद को अगले 5 साल में दोगुना करने के लिए प्रदेश

सरकार संकल्पित है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि विकसित भारत की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तत्परता के परिणामस्वरुप मध्यप्रदेश औद्योगीकीकरण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की परिकल्पना से रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन के माध्यम से हर जिले में युवा उद्यमी आगे बढ़ रहे है। प्रमुख उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदेश यात्रा पर भी जाने वाले हैं। विकसित मध्यप्रदेश बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेले में मध्यप्रदेश मंडप का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। उन्होंने मध्यप्रदेश मंडप में लगे विभिन्न स्टॉल का अवलोकन भी किया और शिल्पकारों का मनोबल बढ़ाया। मंडप को 'विकसित भारत-2047' की थीम पर विकसित किया गया है, जिसमें प्रदेश की धरोहर के साथ स्टार्ट-अप्स और उद्यमों का कलात्मक प्रदर्शन किया गया है। मंडप में युवा, गरीब, नारी और किसान कल्याण के मिशन को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार भी वितरित किए। मध्यप्रदेश मंडप में बेस्ट स्टॉल डिस्प्ले के लिए पर्यटन विभाग और हस्तकला के लिए मध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड को पुरस्कृत किया गया। मंडप में सर्वश्रेष्ठ सजीव कला प्रदर्शन के लिए श्री मोहम्मद यूसुफ खत्री को सम्मानित किया गया। साथ ही मध्यप्रदेश मंडप के अन्य प्रतिभागियों को भी श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश दिवस समारोह में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलक देखने को मिली। डॉ. शिप्रा सुल्लेरे के संगीत निर्देशन और श्री दविंदर सिंह ग्रोवर के संयोजन में जबलपुर के श्री जानकी बैंड की प्रस्तुति दी गई। सुश्री पूजा श्रीवास्तव के निर्देशन में बुंदेलखंड के अखाड़ा लोक नृत्य की भी मनमोहक प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के प्रबंध संचालक श्री दिलीप कुमार भी उपस्थित थे।

33 सालों से अखंड पाठ जारी, 26 नवंबर को होगा संकीर्तन

सुबह सवेरे सोहागपुर

प्राचीन विख्यात पुण्य जमनी सरोवर स्थित हनुमंत लाल मंदिर परिसर में 26 नवंबर को श्री सीताराम संकीर्तन का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि संत शिरोमणी चांदीखेड़ी वाले दादाजी की कृपा से26 नवंबर 1991 से अखंड मानस पारायण पाठ प्रारंभ हुआ था। लगातार 33 सालों से पाठ क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का विषय बना हुआ है। ज्ञातव्य है कि इसकी प्रेरणा स्वर्गीय संत श्री ठाकुर शंकरप्रताप सिंह सिंग साहब ने दी थीं। उक्त क्रम अविरलता से चल रहा है। 26 नवंबर को प्रातः 8 बजे से कीर्तन प्रारंभ होगा। रात में विशेष पूजा-अर्चना के उपरांत रात 8 बजे भंडारे का आयोजन किया गया है। पुण्य जमनी सरोवर न्यास ने नागरिकों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

इंदिरा गांधी की जयंती मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई

नरसिंहपुर। जिला कांग्रेस कार्यालय एवं इंदिरा गांधी स्मारक पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियो ने 19 नवंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र राजपूत ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश के विकास में जो योगदान दिया है उसे हम सब कभी भुला नही पायेंगे।वरिष्ठ नेता मनोहर साहू ने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में विश्व का नक्शा बदला और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बंगलादेश का निर्माण कराया। डॉ संजीव चांदोरकर ने कहा कि इंदिरा जी ने हमेशा हर वर्ग के लिए कार्य किया। यही कारण है कि देश का गरीब वर्ग उनको हमेशा याद रखता है। वरिष्ठ नेता नीलू राय ने कहा कि उन्होंने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया और महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ा। आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित राय गोलू ने किया।इस अवसर पर भगवंत सिंह जाट, नीलू राय, वीरेंद्र पाठक, मदन महाराज , संतोष शुक्ला, अनिल राय , अस्सु नेमा,बुद्धि प्रकाश विश्वकर्मा , आशीष राजवैध, आनंद चौरसिया, राजेश तिवारी, सुनील पाली, राजा सिलावट, काजल सोनेलाल, पूर्व मिक्की राय, देवेंद्र प्रजापति, प्रभात तिवारी, विवेक पटेल,संजय राजपूत यासीन मनचला, एडवोकेट याकूब खान, एडवोकेट साज मोहम्मद, राजकुमार ठाकुर, राजू बैरागी, कमलेश प्रजापति, अरविंद चौबे, सुरेश ठाकुर, गौरव ताम्रकार, गब्बर नोरिया, राजू झरिया, बबलू खान, प्रतीक त्रिवेदी, राजू महाराज, दीपक दुबे, अरविंद कहार, सोहन रैकवार, राजीव मसीह, हरीश पांडे के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

यातायात विभाग ने ट्रक चालकों को दी समझाईश

सड़क किनारे 5 फीट साइड शोल्डर छोड़कर खड़ा करे वाहन

बैतूल। यातायात विभाग ने ट्रक चालकों को मुख्य सडक़ मार्ग से कम से कम 5 फीट साइड शोल्डर छोडक़र वाहन पार्क करने की समझाईश दी। दरअसल पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया द्वारा गेंदा चौक से इटारसी रोड पर स्थित बैतूल ऑयल मिल और एफसीआई गोदाम के पास सडक़ किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण होने वाली सडक़ दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए यातायात थाना प्रभारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। निर्देशानुसार, थाना प्रभारी यातायात ने बल के साथ इटारसी रोड पर सडक़ किनारे खड़े ट्रक चालकों को समझाइश दी कि वे मुख्य सडक़ मार्ग से कम से कम 5 फीट साइड शोल्डर छोडक़र अपने वाहन पार्क करें।

इसके अतिरिक्त, ट्रांसपोर्ट मालिकों के साथ चर्चा कर इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उनका सहयोग मांगा गया। इटारसी रोड पर संचालित पेट्रोल पंपों के सामने खड़े ट्रक एवं डंपर, जो खतरनाक स्थिति में खड़े थे, उन्हें तुरंत हटाया गया। पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि वे पंप के सामने वाहन खड़ा न होने दें। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उपरोक्त नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और स्वामियों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण हटाने जेसीबी लेकर पहुंचे भाजपा विधायक

पुलिस के सामने दो पक्षों में पथराव, 3 घायल ; एमएलए को वज्र वाहन से लाया गया मऊगंज

मऊगंज (नप्र)। रीवा के मऊगंज में मंदिर से लगी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर बवाल हो गया। भाजपा विधायक प्रदीप पटेल मंगलवार शाम अतिक्रमण हटाने के लिए जेसीबी लेकर पहुंच गए। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और दूसरे पक्ष की ओर से एक-दूसरे पर पथराव किया गया। इसमें तीन लोग घायल हो गए। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। यहां तनाव को देखते हुए धारा 163 (पहले ये धारा-144 होती थी) लगा दी गई है।

मौके पर कलेक्टर अजय श्रीवास्तव और एसपी रसना ठाकुर भी पहुंचे हैं। प्रशासन का कहना था कि अतिक्रमण नियमानुसार हटाया जाएगा, लेकिन विधायक अभी हटाने पर अड़े रहे। इसके बाद विधायक को जबरन वज्र वाहन से मऊगंज ले जाया गया। फिलहाल उन्हें रीवा के एक सामुदायिक भवन में ठहराया गया है। मामला खटखरी चौकी क्षेत्र में स्थित देवरा महादेवन मंदिर का है। पूरा विवाद 9 एकड़ 27 डिसमिल जमीन को लेकर है। यहां मुस्लिम समुदाय और दलित परिवारों के करीब 70 से 75 घर हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों का का दावा है कि यहां उनके पुश्तैनी मकान हैं। उनकी ओर से जबलपुर हाईकोर्ट में पिटीशन भी दायर की गई है।

दोनों ओर से जमकर पथराव, नारेबाजी: अतिक्रमण हटाने की जानकारी मिलते मुस्लिम समुदाय के लोग भी मौके पर जमा हो गए। विवाद बढ़ा तो दोनों ओर से पत्थर फेंके गए। नारेबाजी होने लगी। इसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। सूचना पर कलेक्टर-एसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। फोर्स ने भीड़ को खदेड़ दिया।

कलेक्टर-एसपी विधायक को पकड़ते रहेः विधायक प्रदीप पटेल अपने सामने ही अतिक्रमण हटाने की बात पर अड़े रहे। वहीं, एसपी और कलेक्टर उन्हें समझाते रहे, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे। इसके बाद उन्हें वज्र वाहन में बैठाकर जबरन मऊगंज भेजा गया।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग

नरसिंहपुर। विजयपुर उपचुनाव में हिंसक गतिविधियों एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग को लेकर जिला कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में उल्लेख किया है कि कि मध्यप्रदेश में विजयपुर विधानसभा का उपचुनाव में मतदान के दौरान भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं असामाजिक तत्वों ने मिलकर अनुचित कार्य करते हुए मतदान को प्रभावित करने के साथ-साथ हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया तथा रात में गोहटा गांव में बदमाशों ने दलित बस्ती में घुसकर तोड़फोड़ की तथा घरों में आगजनी की, उनकी फसलों में आग लगाकर नुकसान पहुंचा गया एवं गांव

में स्थापित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति को भी तोड़कर खंडित कर दिया।

गोहटा गांव में आतंक के कारण भय का वातावरण इस तरह निर्मित हो गया था ग्रामीण थाने भी नहीं पहुंच सके। भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत के पक्ष में मतदान कराने के लिए डराया धमकाया गया और हिंसा की गई। ज्ञापन देते समय जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, मनोहर लाल साहू , डॉ. संजीव चाँदोरकर, भगवत सिंह जाट, नीलू राय, वीरेंद्र पाठक, मदन महाराज जी संतोष शुक्ला, अनिल राय बुद्धि प्रकाश विश्वकर्मा, अस्सु नेमा, आशीष राजवैध, आनंद चौरसिया, राजेश तिवारी सुनील पाली राजा सिलावट काजल सोनेलाल पूर्व मिक्की राय, देवेंद्र प्रजापति, प्रभात तिवारी , विवेक पटेल, संजय राजपूत यासीन मनचला, याकूब खान, साज मोहम्मद, राजकुमार ठाकुर, राजू बैरागी, कमलेश प्रजापति, अरविंद चौबे, सुरेश ठाकुर, गौरव ताम्रकार, गब्बर नोरिया, राजू झरिया, बबलू खान, प्रतीक त्रिवेदी, राजू महाराज, दीपक दुबे, अरविंद कहार, सोहन रैकवार, राजीव मसीह, हरीश पांडे, एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित गोलू राय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

हमारा प्रमुख लक्ष्य भगवान की भक्ति होना चाहिए

नरसिंहपुर। मानव तन बड़ी दुर्लभता से मिलता है।ये हमारे पूर्व जन्मों के सुकर्मो का परिणाम है।इस देह का सदुपयोग होना चाहिए।जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है।हमें निरंतर अच्छे कार्य करते हुए भगवान की भक्ति में तत्पर रहना चाहिए।सदैव भगवान के नाम का स्मरण करते रहना चाहिए।

कलियुग केवल नाम अधारा,सुमरि सुमरि नर उतरहिं पारा,,ये धन दौलत बंगला गाड़ी हीरे जवाहरात सब अस्थाई हैं।स्थाई है तो बस सेवा कर्म परोपकार और भगवान की भक्ति। जिन्होंने सच्चे दिल से भगवान की भक्ति की है उन्हें भगवान ने अपना बनाया है।माता शबरी ध्रुव भक्त प्रह्लाद हनुमंत लला इस क्रम में अनुकरणीय उदाहरण हैं। उक्ताशय के विचार कथा वाचक पं.नीलमणी दीक्षित दमोह वालो ने मनोकामेश्वर

हनुमान मंदिर नरसिंहपुर में आयोजित सत्संग सभा में व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नारायण प्रसाद साहू ने भक्ति और सत्संग पर अपने रोचक प्रसंग रखे।चोला वंदन नरेश कश्यप द्वारा किया गया। मंदिर पुजारी पं.मनीष गिरदोनिया ने पूजन अर्चन करवाया।आभार प्रदर्शन गिरीश पटेल ने किया। मनोज विश्वकर्मा ने संकीर्तन करवाया।एस के तिवारी उपेन्द्र पाठक ने भजन प्रस्तुत किये।

अनुग्रह सहायता राशि के भुगतान में लेटलतीफी पर कलेक्टर ने संबंधित क्लर्क को तत्काल निलंबित करने दिए निर्देश

जनसुनवाई में आमजनों की समस्याओं का किया त्वरित निराकरण

बैतूल। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आमजनों से प्राप्त आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में तहसील घोड़ाडोंगरी के ग्राम जुवाड़ी निवासी राजेश आहके ने कलेक्टर को बताया कि उनके भाई बसंत आहके की बिजली करंट लगने से मौत हो गई थी। इसके पश्चात उनकी माता श्रीमती गीताबाई ने मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह की राशि उपलब्ध कराने के लिए जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी में आवेदन दिया था। जनपद पंचायत द्वारा योजना के तहत चार लाख रुपए की राशि भी

स्वीकृत की जा चुकी थी। किंतु आज दिनांक तक उन्हें राशि प्राप्त नहीं हुई हैं। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए को सीईओ जनपद घोड़ाडोंगरी को त्वरित आवेदक को भुगतान किए जाने तथा अनावश्यक लेट लतीफी करने वाले संबंधित क्लर्क लिपिक को तत्काल प्रभाव निलंबित कर सूचित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी की शासन की विभिन्न योजनाओं में भुगतान संबंधी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी प्रकार जनसुनवाई में तहसील मुलताई के ग्राम गेंदराव सहारे ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन देकर बताया कि उनके द्वारा उनकी भूमि के बंटवारे के लिए काफी समय पूर्व आवेदन दिया गया था। किंतु अभी तक उनकी भूमि का पारिवारिक बटवारा नही हो पाया है। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मुलताई को आवेदक का प्रकरण दर्ज कर बटवारा की कार्यवाही किए जाने तथा लापरवाही पर संबंधित पटवारी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास संबंधी वाजिब समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कराएं।

स्वर्णकार समाज के सामुदायिक भवन का हुआ लोकार्पण

नरसिंहपुर। संत सूरदास देव श्री रामानंद की भूमि पर समुदायिक भवन का लोकार्पण सांसद दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल के आतिथ्य तथा सुरेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा भवन का लोकार्पण किया गया। श्री देव रामानंद न्यास के कोषाध्यक्ष मुरारी लाल सोनी न्यास के बारे जानकारी देते हुए की गई पहल के लिए अतिथियों के उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि समाज को हर संभव आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें तभी सफलता संभव है। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि न्यास एवं समाज ने मिलकर प्रशंसनीय कार्य किया है, समाज इस दिशा में आगे कार्य करें समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सहायता करे। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने इस भवन की उपयोगिता बताते हुए हमें अपने जीवन में हमेशा सकारात्मक कार्यों को करना चाहिए ।

सचखंड एक्सप्रेस की बोगी के ब्रेक चिपके, धुआं निकला

20 मिनट खिरकिया स्टेशन पर खड़ी रही ट्रेन, मरम्मत के बाद रवाना

भोपाल/हरदा (नप्र)। हरदा में अमृतसर से नांदेड़ की तरफ जाने वाली 12716 (सचखंड एक्सप्रेस) में मंगलवार सुबह एक बोगी से धुआं उठा। तत्काल ट्रेन को खिरकिया स्टेशन पर रोक दिया गया। करीब 20 मिनट तक ट्रेन यहीं पर रुकी रही। ट्रेन को दुरुस्ती के बाद रवाना किया गया। जानकारी अनुसार सुबह सचखंड एक्सप्रेस खिरकिया स्टेशन से रवाना हो रही थी। इसी दौरान यात्रियों को पहियों के बीच से धुआं उठता नजर आया। तत्काल इसकी सूचना स्टॉफ तक पहुंचाई गई। टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि ट्रेन के पहिए के ब्रेक शू चिपक गए थे, इस कारण धुआं उठा था। पहियों की मरम्मत के बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

म.प्र. में 5 साल में ढाई लाख सरकारी नौकरी मिलेंगी

सरकार ने तय किया सालाना भर्ती का फॉर्मूला, एग्जाम कैलेंडर भी जारी होगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार अगले पांच साल में ढाई लाख पदों पर सीधी भर्ती करेगी। सरकार ने तय किया है कि, इसके लिए हर साल सरकारी परीक्षा कैलेंडर भी जारी किया जाएगा। संकल्प पत्र 2024 में रोजगार के अवसर को लेकर वित्त विभाग ने नए निर्देश जारी किए हैं। आने वाले सालों में होने वाली भर्ती को लेकर वित्त विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग के 22 नवंबर 2022 को जारी आदेश में 31 अक्टूबर 2024 से प्रभाव शून्य घोषित कर दिया है। जिसमें पदों की भर्ती के लिए आदेश जारी किए गए थे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जहां भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है उन पदों की भर्ती निरस्त नहीं की गई है।

30 अक्टूबर 2024 तक हुई ये भर्तियां नहीं होंगी निरस्त: वित्त विभाग ने सर्कुलर में साफ किया है कि, 16 नवंबर 2022 और 22 नवंबर 2022 को जारी सर्कुलर में निकाली गई भर्तियों में से ऐसे खाली पदों पर जिन विभागों ने 30 अक्टूबर 2024 तक नियुक्तियां कर दी हैं, वह निरस्त नहीं मानी जाएंगी। इसके साथ ही सीधी भर्ती के जिन खाली पदों पर भर्ती के लिए कार्यवाही संबंधी पत्र कर्मचारी चयन मंडल और एमपी पीएससी या दूसरी भर्ती संस्था को भेजे गए हैं या नियुक्ति की जा चुकी है, इन पर कार्यभार ग्रहण करना बाकी है और परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति पत्र जारी किया जाना है, ऐसी भर्ती भी निरस्त नहीं मानी जाएगी।

1 से 50 पद खाली होंगे तब यह फॉर्मूला लागू होगा

वित्त विभाग ने कहा है कि ऐसे कैडर (संवर्ग) जिनमें खाली पद एक से 50 तक ही है, उनकी वैकेंसी दो चरणों में की जाएगी। यानी 50 फीसदी पद वित्तीय वर्ष 2024-25 और बाकी 50 प्रतिशत पद वित्त वर्ष 2025-26 में भरे जाएंगे।

अगर पद 33 प्रतिशत से कम हैं तो एक बार में खाली पद भरे जाएंगे

अगर पद 33 प्रतिशत या अधिक हैं, लेकिन 66 प्रतिशत से कम हैं तो साल 2024-25 में 8 प्रतिशत पद भरे जाएंगे। साल 2025-26 में 46 प्रतिशत और साल 2026-27 में 46 प्रतिशत पदों को भरा जाएगा। अगर पद 66 प्रतिशत या अधिक हैं तो साल 2024-25 में 8 प्रतिशत, साल 2025-26 में 31 फीसदी, साल 2026-27 में 31 फीसदी और साल 2027-28 में 30 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती से भरा जाएगा।

5 प्रतिशत पद ही सीधी भर्ती से भरने का आदेश स्थगित: वित्त विभाग के निर्देशों में कहा गया है कि 3 जनवरी 2013 और 13 अगस्त 2021 को जारी निर्देशों में कैडर में स्वीकृत पदों के आधार पर 5 प्रतिशत पदों को ही सीधी भर्ती से भरने का फैसला लिया है। 18 नवंबर को जारी सर्कुलर में पहले तय लिमिट की प्रभावशीलता को साल 2028-29 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

200 खाली कैडर वाले पदों में यह नीति प्रभावी: ऐसे संवर्ग (कैडर) जिनमें खाली पदों की संख्या 51 से 200 तक है, वहां सीधी भर्ती के कुल पदों की 100 फीसदी संख्या के आधार पर सीधी भर्ती के खाली पदों को भरा जाएगा।

जरूरी होने पर ड्राइवर-फोर्थ ग्रेड पदों पर भर्ती: विभाग ने कहा है कि एग्रीमेंट के आधार पर अपॉइंट वाहन चालकों को सीधी भर्ती से भर्ती करना जरूरी नहीं है। जिन विभागों के पास खुद के वाहन हैं, वे भी ड्राइवर आउटसोर्स के जरिए भर्ती करने पर विचार करेंगे। विशिष्ट विभाग जहां वाहन चालकों के खाली पदों पर सीधी भर्ती बेहद जरूरी है, वे वित्त विभाग को तथ्यों के साथ प्रस्ताव देकर स्वीकृति लेकर ही भर्ती कर सकेंगे।

वित्त विभाग ने यह भी कहा है कि राज्य शासन के अलग-अलग कार्यालयों में चतुर्थ श्रेणी के पदों के खिलाफ काम करने वाले व्यक्तियों की भरपाई के लिए आउटसोर्स से सेवा लेने संबंधी निर्देश हैं। इसके आधार पर कार्यवाही की जाएगी। जहां चतुर्थ श्रेणी के खाली पदों पर सीधी भर्ती करना बेहद जरूरी है, वे वित्त विभाग से मंजूरी लेकर भर्ती कर सकेंगे।

घोषित डाइंग कैडर में नहीं होगी कोई भर्ती: सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्षों को जारी निर्देश में वित्त विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि डाइंग कैडर घोषित किए गए किसी भी कैडर में कोई भर्ती नहीं की जाएगी। यह भी साफ किया गया है कि खाली पदों की भर्ती किए जाने के समय कैडर मैनेजमेंट प्रभावित नहीं होना चाहिए। विभाग इसका खास ध्यान रखेंगे।

म.प्र.का पहला राज्य स्तरीय पुलिस अस्पताल बनकर तैयार

23 नवंबर को सीएम कर सकते हैं उद्घाटन, 50 बेड के अस्पताल यह मिलेगी सुविधा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में पुलिस कर्मी और उनके परिजनों को बेहतर इलाज के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। भोपाल में प्रदेश का पहला राज्य स्तरीय पुलिस अस्पताल बनकर तैयार हो गया है। अस्पताल का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 नवंबर को उद्घाटन कर सकते हैं। भदभदा चौराहे पर स्थित यह अस्पताल 50 बेड का है, जो 12 करोड़ की लागत बना है। बताया जा रहा है कि फिलहाल ओपीडी के साथ अस्पताल की शुरुआत की जाएगी। अभी तक पुलिस बटालियन में पुलिस डिस्पेंसरी हुआ करती थीं। यह प्रदेश का पहला पुलिस डैडिकेटेड अस्पताल है। यहां पीडियाट्रिक, गायनिक, डेंटल, आई जैसे विभाग होंगे।

मरीजों के लिए 2 मेल और एक फीमेल वार्ड: 50 बेड के इस अस्पताल में 2 मेल (5-5 बेड) व 1 फीमेल वॉर्ड (5 बेड) का बनाया है। इसके अलावा बच्चा वार्ड में भी पांच बेड रखे गए हैं। वहीं, अन्य बेड महिला वार्ड, ओटी, हाई डिपेंडेंसी यूनिट और रिकवरी रूम में लगाए गए हैं। अस्पताल अधिकारियों की माने तो पुलिस और उनके परिवार के अलावा आम लोग यहां इलाज करवा सकेंगे या नहीं, यह जल्द ही फाइनल होगा। अस्पताल का संचालन 25वीं बटालियन करेगी। 2022 से पहले यहां एसटीएफ का कार्यालय हुआ करता था, जिसके बाद इसे अस्पताल बताया गया। इसका निर्माण पुलिस हाउसिंग द्वारा किया गया है।

पहले चरण की शुरुआत ओपीडी के साथ: स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर यहां पर डॉक्टर्स एवं अन्य स्टाफ को लाया गया है। पहले चरण की बात की जाए तो ओपीडी, फार्मा, पैथालॉजी और एक्स-रे जैसी सुविधाएं दी जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में सोनोग्राफी ओर लेबर क्लिनिक के अलावा अन्य सुविधाएं शुरू की जाएगी। अस्पताल के लिए कुल 12 पद सेंशन हुए हैं, जिसमें से दो डॉक्टर मेडिकल ऑफिसर एसके गुप्ता और डेंटल सर्जन डॉक्टर सुरैश माहौर शामिल हैं। अस्पताल की अधीक्षक डॉ. रूही चंद्रा रहेंगी।

12.51 करोड़ की लागत से तैयार हुआ अस्पताल: यह अस्पताल कुल 12.51 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है। इसमें भवन निर्माण और फर्नीचर की लागत 10.41 करोड़ रही, वहीं मेडिकल उपकरण 2.1 करोड़ के खरीदे गए हैं। इस तरह से अस्पताल की कुल लागत 12.51 करोड़ है।

बनाए गए दो ओटी, जल्द सर्जन भी आएंगे

25वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश चंदेल ने बताया अस्पताल में इलाज की अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। अस्पताल की शुरुआत ओपीडी से करेंगे, जल्द ही यहां पर सर्जन भी आएंगे, अस्पताल में माइनर और मेजर दोनों ओटी बनाए गए हैं। अस्पताल के चार्ज अभी तय नहीं किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से दो डॉक्टर अलॉट किए गए हैं। वहीं, दो डॉक्टर पुलिस डिस्पेंसरी में पहले से थे। उन्होंने बताया- कंसल्टेंट के लिए पुलिस वेलफेयर फंड से विजिटिंग डॉक्टर आते रहेंगे। ये मध्य प्रदेश का राज्य स्तर का पहला पुलिस अस्पताल है।

म.प्र.में टैक्स फ्री होगी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट'

सीएम बोले- खुद देखने जाऊंगा, मंत्री-विधायकों को भी भेजेंगे; पीएम भी कर चुके हैं तारीफ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की तारीफ की है। सीएम ने कहा है कि साबरमती अच्छी फिल्म बनी है। मैं खुद भी देखने जा रहा हूं। मंत्री, सांसद, विधायकों को भी फिल्म देखने के लिए भेजेंगे और कहेंगे। इस फिल्म को टैक्स फ्री भी करने जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग फिल्म देख सकें।

सीएम ने कहा- अतीत के काल में ऐसा काला अध्याय है जो फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है। दूध का दूध और पानी का पानी इस पिक्चर को देखने में समझ में आता है। राजनीति अपनी जगह है लेकिन वोटों की राजनीति के लिए इतना गंदा खेल खेलना खराब बात थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तब मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्होंने इस घटना के दौरान कुशलता के साथ गुजरात की और देश की इज्जत बचाई है। इसलिए इस सत्य के आने के बाद दूध का दूध और पानी का पानी दिखाई देना ही चाहिए।

पीएम मोदी भी कर चुके हैं फिल्म की तारीफ

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को फिल्म की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने एक यूजर की साबरमती रिपोर्ट पर की गई पोस्ट को एक्स पर रीट्वीट करके लिखा था- यह अच्छी बात है कि सच सामने आ रहा है, वो भी इस तरह से कि आम जनता भी इसे देख सके। झूठी धारणा सिर्फ कुछ वक्त कायम रह सकती है, हालांकि तथ्य सामने आता ही है।

15 नवंबर को रिलीज हुई है फिल्म: फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना, और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। इस फिल्म का निर्देशन धीरज सरना ने किया है, जबकि इसे शोभा कपूर, एकता कपूर, अमूल वी. मोहन, और अंशुल मोहन ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को रिलीज हुई। यह फिल्म करने के बाद एक्टर विक्रांत मैसी ने कहा था कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं।

2002 के गोधरा कांड पर आधारित है फिल्म

'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म 2002 के गोधरा कांड पर आधारित है। यह फिल्म हिम्मत के साथ उस सच को सामने लाने की कोशिश करती है, जो 27 फरवरी 2002 की सुबह गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में घटित हुई थी। इसमें न केवल इतिहास को, बल्कि उस वक्त के सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ को भी दिखाया गया है।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल ने मंत्रालय में पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम की गतिविधियों की समीक्षा की।

दबंगों ने मां और दो बेटियों को लाठी-डंडों से पीटा

एक बेटी गर्भवती, सिर पर 4 टांके आए; दोनों पक्षों पर एफआईआर, 6 जेल गए

खरगोन (नप्र)। खरगोन में 6 दबंगों ने तीन महिलाओं को लाठी-डंडों से पीटा। उन्हें गालियां दीं और धमकाया। इनमें एक बुजुर्ग मां है और बाकी उसकी दो वयस्क बेटियां हैं। बेटियों में एक गर्भवती है। मारपीट में एक महिला को सिर पर 4 टांके आए हैं। मामला महेश्वर तहसील के करोंदिया गांव में रविवार शाम का है। मारपीट की वजह जमीन विवाद बताई गई है। मौके पर मौजूद किसी शख्स ने घटना का वीडियो भी बना लिया। पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि दबंगों ने हवा में पिस्टल भी लहराई। केस दर्ज कर सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पीड़ित पक्ष के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।

गाय छोड़ देने पर बढ़ा विवाद, 6 गिरफ्तार: खरगोन एएसपी एमएस बारिया ने बताया कि खेत में गाय छोड़ देने पर मारपीट का मामला है। पीड़ित पक्ष का मेडिकल कराया है। संगीता बाई की शिकायत पर जामन्या गांव के 6 आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। उन्हें एसडीएम कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। वहीं, टीआई राजेंद्र बर्मन ने कहा कि संगीता बाई मेवाड़े, गर्भवती बेटी आंचल और छोटी बेटी चंचल को चोटें आई हैं। आंचल के सिर में 4 टांके लगे हैं। संगीता की रिपोर्ट पर आरोपी राम यादव, गजेंद्र ठाकुर, हर्षित जाट, रितेश और उसके अन्य दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जमीन पर कब्जे को लेकर कोर्ट में मुकदमा: टीआई बर्मन ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन पर कब्जे को लेकर मुकदमा कोर्ट में चल रहा है। दूसरे पक्ष की तरफ से भी मारपीट का मामला दर्ज किया है। जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विवादित जमीन सरकारी रिकॉर्ड में इंदौर निवासी अविरत पांडे के नाम पर दर्ज है। उन्होंने इसे कुछ साल पहले खरीदकर महू के गजेंद्र ठाकुर को लीज पर दिया था।

कमलनाथ बोले- किसानों को रौंद रही मदमस्त सरकार

वीडियो में किसान ने कहा था- तहसीलदार-पटवारी खाद बेच रहे, परिवार बोला- कई दिनों से बीमार थे

भोपाल (नप्र)। मैं गरीब छोटा सा किसान हूं। मेरी कानून, सरकार से थोड़ा निवेदन है कि मेरे पास कम से कम जमीन है। मुझे एक भी दाना खाद का नहीं मिला। आजकल पांच पांच साल, एक एक साल के बच्चे का आधार कार्ड बन रहा है। अगर आधार कार्ड से खाद दिया जाएगा। तो हमारी तो बस्की (हिम्मत) ही नहीं है कि दो दो बीघा वाले किसान उन कट्टों को खरीद लें। रविवार सुबह गुना (झागर) के रहने वाले किसान भागवत किरार ने खाद के लिए परेशान होकर यह कहते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया। लेकिन रविवार रात अचानक उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक भागवत अक्सर बीमार रहता था। बिमारी के चलते उसकी मौत हुई है। वहीं मामले में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के ट्वीट के बाद मामले में सियासत गर्मा गई। पूर्व सीएम कमलनाथ ने किसान का वीडियो पोस्ट कर लिखा कि एमपी में तालिबानी शासन चल रहा है। सरकार नशे में मदमस्त होकर किसानों को रौंद रही है। किसान की बीजेपी सरकार पर खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के कुछ ही घंटे बाद ही मृत्यु की खबर कई सवालों और संदेहों को जन्म देती है। मृतक किसान का पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही आनन फानन में अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे मृत्यु की असली वजह सामने नहीं आ सकी। दरअसल, गुना जिले में खाद न मिलने से परेशान एक किसान ने अपना एक वीडियो जारी कर सरकार और स्थानीय प्रसाशन को जिम्मेदार बताया था। किसान भगवत ने वीडियो में तहसीलदार पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इनके कारण दंगा, विवाद हो रहा है। महेंद्र भाईसाब से विनती करता हूं कि नियम से खाद बंटवाया जाए ताकि आपसी विवाद न हों, लड़ाई न हो। वीडियो वायरल होने के कुछ ही घंटों बाद देर रात किसान की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। यह बात सामने आते ही प्रशासन में भी हड़कंप मच गया।

परिवार बोला- कई दिनों से बीमार था

मृतक किसान भगवत के भाई मनोज किरार ने कहा कि रविवार रात उसे सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद उसे अस्पताल ले गए। जहां निजी अस्पताल के डॉक्टर राजेन्द्र राजपूत ने उसे मृत घोषित कर दिया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि, कुछ दिन पहले से उसके सीने में दर्द रहने लगा था। इसके इलाज के लिए 13 नवंबर को उसे इंदौर की निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सिर में खून का थक्का जमा होने से डॉक्टर ने थक्का निकालने के लिए ऑपरेशन करने को कहा था, लेकिन हम परिजन बाद में ऑपरेशन कराने का बोलकर उसकी अस्पताल से छुट्टी कराकर वापस घर आ गए थे।

प्रशासन ने पोस्टमॉर्टम बिना करा दिया अंतिम संस्कार

पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि, मृतक किसान का पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही आनन फानन में अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे मृत्यु की असली वजह सामने नहीं आ सकी। कुछ लोग इसे दबी जुबान खाद न मिलने से त्रस्त होकर किसान द्वारा आत्महत्या करने का मामला भी बता रहे हैं। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री से कहा है कि, मध्यप्रदेश में खाद बीज की क़िल्लत विकराल रूप ले चुकी है, सरकार पता नहीं किस नशे में मदमस्त होकर किसानों को रौंद रही है। अन्नदाता सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, तो शाम को उसकी मृत्यु की खबर आ जाती है। मध्यप्रदेश में ये कौन सा तालिबानी शासन चल रहा है?

अरुण यादव बोले- किसान आत्महत्या न करें

मामले में कांग्रेस नेता अरुण सुभाष यादव ने भी ट्वीट किया है। यादव ने लिखा है कि खाद न मिलने से परेशान किसान ने आत्महत्या कर ली। गुना जिले की बमौरी विधानसभा क्षेत्र में डीएपी खाद न मिलने पर ग्राम झागर के किसान भगवत किरार ने आत्महत्या कर ली, प्रशासन ने बिना पोस्टमॉर्टम करवाएं आनन फानन में मृतक किसान का दाह संस्कार भी करवा दिया।